मंडला, भोपाल, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-11 अंक-144 ● नरसिंहपुर ● शुक्रवार , 13 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।



ISIS से जुड़े विद्रोहियों का खूनी हमला, कांगो में की 22 लोगों की हत्या; 10 से ज्यादा का अपहरण

इतुरी, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इस्लामिक स्टेट यानी कि ड्डस्कुर से जुड़े विद्रोहियों ने एक बार फिर खूनी हमले किए हैं। पिछले 2 दिनों में विद्रोहियों ने युगांडा की सीमा के पास स्थित कई दूरदराज के गांवों को निशाना बनाया। नागरिक संगठनों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोगों का अपहरण कर लिया गया। हमलों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ ही दिन पहले एक और अफ्रीकी देश नाइजीरिया में भी कत्लेआम हुआ था और 62 लोगों की हत्या कर दी गई थी।नागरिक संगठनों और मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले दो समूहों के मुताबिक, ये हमले कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत के मंबासा इलाके में 8 अलग-अलग स्थानों पर किए गए। हमलों को अंजाम देने वाले विद्रोही संगठन का नाम एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज या एडफ है। यह संगठन लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय है और आम नागरिकों को निशाना बनाता रहा है।

50 हजार की रिश्वत लेते डाक अधीक्षक गिरफ्तार, सहयोगी क्लर्क भी पकड़ा

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजीव शरण सुमन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में उनके सहयोगी क्लर्क अभिषेक को भी गिरफ्तार किया गया है। पटना से पहुंची सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद टीम अपने साथ पटना ले गई। कार्रवाई की खबर फैलते ही डाक विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मलाही डाकघर में पदस्थ कर्मचारी राहुल झा ने डाक अधीक्षक के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत में रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद पटना से सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम मोतिहारी पहुंची और मामले की जांच के बाद कार्रवाई की तैयारी की।

महाराष्ट्र तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राज्य के तीन समुद्र तटों को पहली बार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला है। इनमें रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले का श्रीवर्धन समुद्र तट शामिल हैं। वर्ष 2026-27 के लिए मिली इस मान्यता से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर महाराष्ट्र की पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है।अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग जूरी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर इन समुद्र तटों का चयन किया है। इसके लिए समुद्र तटों की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता का संरक्षण, पर्यटकों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और सतत पर्यटन प्रबंधन जैसे मानकों को आधार बनाया गया। इस उपलब्धि के पीछे राज्य के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और बीच मैनेजमेंट कमेटियों के संयुक्त प्रयास रहे हैं।

किश्तवाड़ से लापता दो SPO के गोलियों से छलनी शव बरामद, हथियार नहीं मिले



किश्तवाड़ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से अचानक लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के शव बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं. खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं. इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है. मृतकों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है

दोनों स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे और सेना के एक दल को रिलीव करने के लिए जा रहे थे। उनके शव मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के मारवाह क्षेत्र के देहरना जंगल में फायरिंग की आवाज सुनाई देने के बाद दोनों एसपीओ अचानक लापता हो गए थे। दोनों कियार दच्छन से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की एक टीम को रिलीव करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, वे कियार कैंप से ढारना-मारवाह स्थित सेना की चौकी की ओर निकले थे, लेकिन निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे। शुरुआत में दोनों जवानों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इसके बाद उनकी सुरक्षा और ठिकाने को लेकर चिंता बढ़ गई। पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से दुर्गम पर्वतीय और जंगल क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की टीमें तैनात कर दोनों की तलाश की जा रही थी। आखिरकार तलाशी अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस घटना ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और संभावित आतंकी संलिप्तता के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

रसगुल्ला समझकर मुंह में रखा, चबाते ही फटा सुअरमार बम, युवक की मौत

परिचित पर मिठाई बताकर विस्फोटक खिलाने का आरोप, जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त; हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज

डिंडौरी, यशभारत। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के पड़रिया छांटा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक को उसके ही परिचित ने कथित तौर पर रसगुल्ला बताकर सुअरमार बम दे दिया। युवक ने मिठाई समझकर उसे मुंह में रखा और जैसे ही दांतों से दबाया, जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि युवक का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पड़रिया छांटा निवासी राजेंद्र बरौतिया (35) मंगलवार शाम करीब सात बजे परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर के आंगन में आग ताप रहा था। इसी दौरान रात करीब आठ बजे गांव का ही रामभगत बरौतिया उसके पास पहुंचा। दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान रामभगत ने अपने पास रखा सुअरमार बम राजेंद्र को रसगुल्ला बताकर खाने के लिए दे दिया। राजेंद्र ने भी परिचित की बात पर भरोसा करते हुए उसे मिठाई समझकर मुंह में रख लिया। जैसे ही उसने दांतों से उसे दबाया, तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। अचानक हुए धमाके से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राजेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। विस्फोट में राजेंद्र का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। परिजन आनन-फानन में उसे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के अनुसार, मामले में रामभगत बरौतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह और विस्फोटक युवक को किस परिस्थिति में दिया गया, इसकी जांच की जा रही है।

न शटर तोड़ा, न ताला खोला... दीवार में सेंध लगाकर करोड़ों के गहने ले उड़े चोर

कटनी के किसना ज्वेलरी शोरूम में बड़ी वारदात ,15 करोड़ की चोरी पुलिस के लिए चुनौती





कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरगवां स्थित एलआईसी के पास किसना ज्वेलर्स शो रूम में हुई करीब 12 से 15 करोड़ की चोरी ने भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय तक सनसनी मचा दी है। खबर है कि पुलिस मुख्यालय में आईजी जबलपुर से वारदात के संबंध में पूरी जानकारी मांगी है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने कई घंटे रुककर किसना शो रूम और पीछे लगी पहाड़ी और झाड़ियों में जाकर तफ्तीश की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कटनी में अब तक की सबसे बड़ी चोरी की वारदात में किसी बाहरी चोर गिरोह का हाथ भी हो सकता है। वारदात की टाइमिंग और तरीके से जाहिर होता है कि चोर पूरी तैयारी से थे और उन्होंने करीब दो तीन दिन शो रूम की रैकी भी की होगी।

शो रूम मेन रोड पर है, लेकिन इसका पिछला हिस्सा रात्रि के बाद सुनसान इलाके में तब्दील हो जाता है। इसके अलावा झाड़ियां और पहाड़ी भी लगी हुई है। चोरों ने इत्मीनान से पीछे की दीवार में छेद किया और अंदर घुसे। चोर अपने साथ अलमारी या काटने का पूरा इंतजाम भी करके आए थे। पुलिस को गैस सिलेंडर भी मिले है, जिससे जाहिर हो रहा है कि लॉकर काटने के लिए उन्होंने गैस कटर का इस्तेमाल किया होगा।पुलिस सूत्रों के मुताबिक वारदात रात्रि 3 बजे से 6 बजे के बीच की है। वारदात को अंजाम देने वाले शातिर चोर 4 या उससे ज्यादा रहे होंगे। पीछे से शो रूम में घुसने के बाद वहां रखे सोने, चांदी तथा डायमंड के कीमती आभूषण लेकर किसी चार पहिया वाहन से फरार हुए होंगे। डॉग स्क्वाड सारी निशानदेही की पतासाजी कर रही है। बताया जाता है कि दीपावली के त्योहार के चलते शोरूम में करोड़ों रुपये का अतिरिक्त स्टॉक रखा हुआ था।



12 करोड़ से अधिक क माल : शो रूम संचालक

शो रूम संचालक मोहन बजाज ने मीडिया को बताया कि चोरी गए आभूषणों की कीमत 12 से 15 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। उन्होंने कहा कि सारे आभूषण का रिकॉर्ड कम्प्यूटर पर होता है, जिसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे जब शो रूम के कर्मचारियों ने शटर उठाया, तब उन्हें इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने तत्काल फोन पर सूचना दी। इस बड़ी वारदात से शहर के व्यापारिक क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बड़े शो रूम के संचालक इस वारदात के बाद दहशत में आ गए है।

एसपी सहित पुलिस अधिकारियों ने किया निरीक्षण

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. कमल मौर्य सहित माधवनगर थाना पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने शोरूम के अंदर से लेकर पिछले हिस्से तक का बारीकी से निरीक्षण किया। घटनास्थल से पुलिस को पाना, प्लास और पेचकस सहित कुछ औजार मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। साक्ष्य जुटाने के लिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वाड की मदद भी ली जा रही है।

12 से 15 करोड़ के आभूषण चोरी होने की जानकारी

चोरी गए आभूषणों की कीमत को लेकर शुरुआती आंकड़ों में अंतर सामने आया है। शोरूम संचालक मोहन बजाज के मुताबिक दुकान में करीब 12 से 15 करोड़ रुपये के आभूषण रखे हुए थे। वहीं पुलिस अधीक्षक के शुरुआती आकलन के अनुसार लगभग 10 करोड़ रुपये की ज्वेलरी चोरी होने की आशंका है। हालांकि चोरी गए आभूषणों की वास्तविक कीमत का पता स्टॉक रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों के मिलान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस शोरूम और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। माधवनगर थाने से कुछ ही दूरी पर हुई इस बड़ी वारदात ने पुलिस पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। पुलिस ने अपनी जांच में विशेष रूप से अलसुबह के समय की गतिविधियों को जांच के दायरे में लिया है, ताकि चोरों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान का पता लगाया जा सके। व्यस्त बरगवां मार्ग पर स्थित प्रतिष्ठित ज्वेलरी शोरूम में इतनी बड़ी चोरी ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था और रात्रिकालीन पुलिस गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों के कारोबार वाले प्रतिष्ठान में दीवार तोड़कर चोरों का दाखिल होना और फिर बड़ी मात्रा में आभूषण लेकर फरार हो जाना पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती बन गया है। फिलहाल पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

पेपर लीक रोकने NTA का बड़ा फैसला रिटायर्ड फौजियों की निगरानी में होंगी JEE-NEET जैसी परीक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी को रोकने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) लगातार बड़े कदम उठा रही है। अब एजेंसी परीक्षा की शुचिता को बनाए रखने और एस्पिरेंट्स को भरोसा जीतने के लिए रिटायर्ड फौजियों की मदद लेने का फैसला किया है। सेना और पैरामिलिट्री से रिटायर्ड को JEE, NEET, NET, CUET जैसी बड़ी परीक्षाओं की निगरानी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

दरअसल, नीट यूजी मई पेपर लीक के चलते विवादों में घिरने के बाद, एनटीए बड़े पैमाने पर सुधार और बदलाव कर रही है। 21 जून 2026 को नीट यूजी री-एग्जाम में लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट में सेना की मदद लेने के बाद, अब एनटीए आगे भी सेना की मदद लेने पर विचार रही है।एनटीए स्वतंत्र पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) का एक परमानेंट पूल तैयार कर रही है, जिसमें सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के सेवानिवृत्त कर्मी, केंद्र और राज्य सरकारों के सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल होंगे। एनटीए के %एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट% (EOI) डॉक्यूमेंट में कहा गया है, %हर परीक्षा के दिन, NTA हर परीक्षा केंद्र पर एक स्वतंत्र पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) तैनात करता है। ये ऑब्जर्वर सेंटर पर NTA का अपना प्रतिनिधि करेंगे, जो सिटी कोऑर्डिनेटर और सेंटर सुपरिंटेंडेंट से अलग होंगे। इनका काम परीक्षा की निष्पक्षता, सुरक्षा और सुचारू संचालन की निगरानी करना और सीधे NTA को रिपोर्ट करना होगा।

इसमें आगे कहा गया है, पूरे साल चलने वाली परीक्षा प्रक्रिया के दौरान इस जरूरत को समय पर और भरोसेमंद तरीके से पूरा करने के लिए, ह्ड्ड पर्यवेक्षकों का एक स्थायी और पहले से सत्यापित (pre-verified) पूल बनाना चाहता है। इसमें सरकारी संस्थानों के सेवानिवृत्त या कार्यरत शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल होंगे। इस पूल से, हर परीक्षा के लिए काफी पहले ही तैनाती के आदेश जारी किए जा सकेंगे।

अंडर-19 एशिया कप फाइनल भारत-पाकिस्तान फिर 14 नवंबर को खिताबी मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर अंडर-19 एशिया कप का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें आमने-सामने होंगी। पिछले संस्करण के फाइनल में भी भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत हुई थी, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रन के बड़े अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस बार भारतीय टीम के पास पिछली हार का बदला लेने और खिताब जीतने का मौका होगा। गुरुवार को ओमान के मस्कट में खेले गए पहले सेमीफाइनल में भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 9 विकेट से हराकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया।



अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट पर 227 रन बनाए। टीम की ओर से नुमान सालारजई और शाह फैसल रहीमी ने 51-51 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। भारत की ओर से ईशान सूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 9 ओवर में 43 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। आर्यन सावसानी ने भी 2 विकेट लेकर अफगानिस्तान की रन गति पर अंकुश लगाया।228 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। भारत ने महज 36.5 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने 57 गेंदों में 51 रन की उपयोगी पारी खेली। वहीं कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 93 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वीके विनीत 57 रन बनाकर नाबाद रहे।

बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति में नहीं मांग सकता हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट बोला- पिता को मिला हिस्सा निजी संपत्ति, जन्म से नहीं बनता अधिकार



नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पैतृक संपत्ति में पोते के अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दादा की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता केवल जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। बंटवारे में पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति माना जाएगा और वह अपने बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने चेन्नई की 1,811 वर्गफीट की संपत्ति से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। निर्णय 6 नवंबर को दिया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई।

यह था पूरा मामला

चेन्नई में स्थित इस संपत्ति के मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की मृत्यु के बाद उनकी बेटी यानी पोते की बुआ ने 1993 में संपत्ति के बंटवारे का मुकदमा दायर किया। फरवरी 1994 में समझौते के जरिए संपत्ति का बंटवारा हुआ, जिसमें पोते के पिता को भी हिस्सा मिला। इसके बाद पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड के माध्यम से अपना हिस्सा बेच दिया।जनवरी 1994 में जन्मे पोते ने अपनी मां के जरिए 1997 में बंटवारे का मुकदमा दायर किया था। उसका दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में सहदायिक अधिकार प्राप्त है और पहले हुए बंटवारे में उसे शामिल नहीं किया गया। इसलिए उसे भी संपत्ति में आधा हिस्सा मिलना चाहिए।

1986 के फैसले का दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने पोते की दलील खारिज करते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति उनके क्लास-1 कानूनी वारिसों को मिली थी। इनमें बेटा, बेटी, पत्नी और मां शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। ऐसी संपत्ति बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बनती।

सोनिया ने 1984 के सिख कत्लेआम पर जनरल वैद्य को ठहराया जिम्मेदार, फूलका ने उठाए सवाल

लुधियाना, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' के 17वें अध्याय में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर किए गए खुलासों से पंजाब की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भड़की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलाने के आदेश 31 अक्टूबर की रात ही दे दिए गए थे, लेकिन तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य ने दिल्ली के नजदीकी सैन्य ठिकानों से सेना बुलाने के बजाय देहरादून से सैन्य टुकड़ियां मंगवाईं। इस फैसले के कारण सेना की तैनाती में देरी हुई और हिंसा पर काबू पाने में समय लगा।



सोनिया गांधी के इन दावों पर भाजपा नेता और 1984 के सिख दंगा पीड़ितों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में पहले से ही करीब 6100 सैनिक मौजूद थे, तो उन्हें दंगों के दौरान सड़कों पर क्यों नहीं उतारा गया? फूलका ने यह भी सवाल किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हिंसा के बाद यह बयान क्यों दिया था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए सिखों के नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की गई थी। ऐसे में केवल सेना की देरी को जिम्मेदार बताकर उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में बिगड़े हालात और दिल्ली में भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए अपने परिवार का पक्ष रखा है। उन्होंने लिखा है कि 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी सहित देश के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ा। किताब के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 31 अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित किया था। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की थी। सोनिया गांधी का दावा है कि राजीव गांधी ने एक और दो नवंबर को भी अलग-अलग माध्यमों से लोगों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी। सोनिया ने लिखा है कि तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात ही दिल्ली में सेना तैनात करने के निर्देश दे दिए गए थे।



शिवराज की मां का त्रयोदशी में रक्षा मंत्री-लोकसभा अध्यक्ष समेत 3 राज्यों के सीएम पहुंचे

भोपाल, यशभारत। भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मां काशीबाई के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने और श्रद्धांजलि देने के लिए देशभर से वरिष्ठ नेता पहुंचे। गुरुवार को नर्मदापुरम रोड स्थित वृंदावन गार्डन में उनकी त्रयोदशी और शांति भोज का आयोजन किया गया। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई राज्यों के मंत्री, सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने शिवराज सिंह चौहान की पोती इला को दुलार किया। इस दौरान शिवराज की बहू अमानत ने योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

खाद वितरण में भारी लापरवाही

गोदाम प्रभारी निलंबित, उपसंचालक कृषि और जिला विपणन अधिकारी को नोटिस



लचर मॉनिटरिंग पर कलेक्टर का सख्त रुख, दोनों वरिष्ठ अधिकारियों से 3 दिन में मांगा लिखित जवाब



सागर यश भारत । जिले में खाद वितरण व्यवस्था की लचर मॉनिटरिंग और समय पर गोदाम न खुलने की शिकायतों पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दिलीप कुमार यादव ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है।

कलेक्टर के निर्देश पर जहां लापरवाही बरतने वाले मार्कफेड गोदाम प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, वहीं निगरानी में उदासीनता बरतने पर उपसंचालक (कृषि) राजेश त्रिपाठी एवं जिला विपणन अधिकारी रोहित बघेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

दोपहर तक बंद मिला गोदाम, मौके पर शुरू कराया वितरण

किसानों द्वारा मोबाइल पर जनरेटेड ई-टोकन की पर्ची साझा कर सेंटर न खुलने की शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद, कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को दोपहर करीब 12:30 बजे खुरई रोड स्थित नई गल्ला मंडी के मार्कफेड गोदाम का औचक निरीक्षण किया गया। अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं जिला उर्वरक निरीक्षक अनिल राय व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप क्रिश्चियन की टीम जब मौके पर पहुँची, तो गोदाम पूरी तरह बंद मिला और दूर-दराज से आए किसान कड़क धूप में परेशान हो रहे थे। प्रशासनिक टीम ने तत्काल पंचनामा तैयार कर गोदाम खुलवाया और ई-टोकन प्रणाली से खाद का सुचारू वितरण शुरू कराया।

गोदाम प्रभारी निलंबित, वरिष्ठ अधिकारियों पर भी गिरी गाज

शासकीय नियमानुसार खाद गोदाम खुलने का समय सुबह 08 बजे से रात 08 बजे तक निर्धारित है। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ क्षेत्र सहायक एवं गोदाम प्रभारी राजाराम सोनी कार्यस्थल से अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर ने उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया। इसके साथ ही, विक्रय केंद्रों की उचित मॉनिटरिंग न करने और पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता बरतने के आरोप में उपसंचालक (किसान कल्याण तथा कृषि विभाग) राजेश त्रिपाठी और जिला विपणन अधिकारी रोहित बघेल को मप्र सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 16 के तहत नोटिस जारी किया गया है। दोनों अधिकारियों को 3 दिन के भीतर समक्ष उपस्थित होकर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी

जिला प्रशासन ने सभी खाद वितरण केंद्रों को सख्त हिदायत दी है कि वे निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से खुलें और ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों को समयबद्ध खाद उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अंतरराज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़

यूपी के पशु मेले में लाखों रुपए में बेचते थे मवेशी, दो आरोपी गिरफ्तार





रीवा । पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिहनके निर्देशन में एवं एसडीओपी डभौरा नरायण सिह कुमरे के मार्गदर्शन में जवा थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौड़ के कुशल नेतृत्व में जवा पुलिस टीम द्वारा 3 अलग अलग गांव से भैंस चोरी करने वाले गिरोह के दो आरोपी सूरज सोनकर पिता स्व. जयराम सोनकर उम्र 26 वर्ष नि. खरिहानी थाना सोहागी जिला रीवा और इन्तजार नट पिता छटंकी नट उम्र 31 वर्ष नि. जारी बजार गडईयाखुर्द थाना कौंधियारा जिला प्रयागराज उ.प्र. को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन नग भैंस कीमत 250000 रुपये, मैजिक वाहन कीमत 400000 रुपये कुल जप्ती मशरुका की कीमत 650000 रुपये है।

फरियादी रामभोले जायसवाल पिता गजाधर जायसवाल निवासी नगमा थाना जवा ने थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट लिखवाया था कि इसके घर के सामने बाड़े में बंधी भैंस और पड़िया को बाड़े का ताला तोड़कर अज्ञात चोर चोरी कर ले गये है सूचना पर थाना जवा में अप.क्र. 340/26 धारा 331(4),305ए बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

थाना जवा में अनिल सिंह पटेल पिता राजनारायण पटेल निवासी अकौरी थाना जवा द्वारा भी भैंस चोरी के संबंध में रिपोर्ट लिखवाई थी जिस पर थाना जवा में अप.क्र. 341/26 धारा 303 (2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रभावती त्रिपाठी पति भरत त्रिपाठी निवासी बराह थाना जवा जिला रीवा द्वारा भी भैंस चोरी के संबंध में रिपोर्ट दर्ज करायी गई जिस पर थाना जवा में अप.क्र.342/26 धारा 303 (2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया।

लगातार भैस चोरी की हो रही घटनाओ को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में थाना जवा स्तर पर एक पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर 2 आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो उनके द्वारा तीनो मामलो में भैंस चोरी करना स्वीकार किया गया।

पूछताछ के बाद चोरी गई 03 नग भैंसो को जिला कौशाम्बी उ.प्र. के पशु मेला से बरामद किया गया।जिन्हें गिरफ्तार कर दिनांक 11/11/2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से आरोपियो को जेल भेज दिया गया।तथा आरोपियो द्वारा भैंस चोरी करने में उपयोग की गई टाटा मैजिक लोडर गाडी यूपी 70 एनटी 5309 को भी जप्त किया गया और प्रकरण में शामिल अन्य आरोपियों की पता तलाश की जा रही है।

झाड़ियों में मिली 'लाडली' जन्म लेते ही मिली सजा

ग्रामीणों ने सुनी सिसकियां, पुलिस ने बचाई जान



रीवा । पनवार थाना क्षेत्र के ग्राम छतैनी में जन्म के तुरंत बाद एक नवजात बच्ची को झाड़ियों में लावारिस छोड़ दिया गया। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। झाड़ियों से बच्ची के रोने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि नवजात बच्ची पड़ी हुई है। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को सुरक्षित निकाला और अस्पताल पहुंचाया। बच्ची के माता-पिता कौन है फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है, पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी है।बताया जा रहा है कि ग्रामीण गांव के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान उन्हें झाड़ियों की तरफ से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज लगातार आने पर वे झाड़ियों के पास पहुंचे। वहां नवजात बच्ची लावारिस हालत में पड़ी मिली। ग्रामीणों की सूचना पर पनवार पुलिस मौके पर पहुंची। सूचना मिलते ही पुलिस टीम पहुंची ।पुलिस ने बच्ची को झाड़ियों से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार



मंडला, यशभारत। जिले में अवैध शराब के संग्रहण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने ग्राम झिंगराघाट में कार्रवाई करते हुए 348 पाव अवैध शराब जब्त की है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस चौकी अंजनिया को मुखबिर से सूचना मिली थी कि झिंगराघाट पुल के पास एक व्यक्ति अपने घर में अवैध शराब का भंडारण कर बिक्री की तैयारी कर रहा है। थाना प्रभारी बम्हनी सत्येंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी नकुल पटेल (54 वर्ष) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके घर से सात पेटियों में रखी 348 पाव शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कुल मात्रा 62.640 लीटर और अनुमानित कीमत 45,600 रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक कृष्ण कुमार चौबे सहित पुलिस चौकी एवं थाना बम्हनी के अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने नव नियुक्त अध्यक्ष का किया स्वागत



बिछिया यशभारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा टेकराम राय को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है।ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय बिछिया में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी द्वारा नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टेकराम राय का साल, श्रीफल एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया।इस अवसर पर प्रदीप गोस्वामी ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए टेकराम राय को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर कांग्रेस की मजबूती के लिए कार्य करेंगे।नवनियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष टेकराम राय ने पूर्व अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी एवं उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी के सहयोग और मार्गदर्शन से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र साहू, झुन्ना ठाकुर, अशोक राजपूत, अशोक ज्योतिषी, संतोषी मोगरे, टोनी मिश्रा, निखिल राजपूत, अक्षत झारिया, नीरज मिश्रा, घनश्याम अहिरवार, तुला साहू, दादूलाल जंघेला, उमेश पटेल, रोशन भवेदी, वहीद खान, राजू श्रीवास, ज्ञानी लाल मरावी सहित सिझौरा मंडलम अध्यक्ष एवं सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौमाता में सभी देवताओं का वास

मंडला, यशभारत। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा विधि विधान से की जाती है, लेकिन इस वर्ष गोवर्धन पूजा दो दिन पडऩे के कारण दीवाली के तीसरे दिन भी गोवर्धन पूजा की गई। वहीं जिले में बहुत से लोगों ने दीवाली के दूसरे दिन भी गोवर्धन पूजा कर गौ माता को नहला धुलाकर तरह तरह के रंगो से सजाया गया और उन्हें अनाज व पानी का भोग लगाकर उनकी पूजा की गई। कहा जाता है कि गौ में समस्त देवी देवताओं का वास होता है और यह विश्व पालक कहलाती है। यह पूजा शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से की जाती है। जिनके यहां पशु पाले जाते है। वे इस पूजन को विशेष रूप से करते है। सुबह से ही घर के सभी पशु गाय, बैल, भैंस को स्नान कराने के बाद उन्हें विभिन्न रंगो से रंगा जाता है। घर में उनके लिए विशेष पकवान बनाए जाते है। घर आंगन में गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजा की जाती है। जिसके बाद पशुओं को विशेष पकवान खिलाए जाते है।

ढाबा कर्मचारियों पर तलवार-बेसबॉल बैट से हमला : 4 घायल



सतना। रीवा रोड स्थित कारगिल ढाबे में रात जमकर हंगामा हुआ। ढाबा बंद होने के बाद सामान देने से इनकार करना कर्मचारियों को भारी पड़ गया। इससे नाराज होकर पहुंचे युवकों ने तलवार, बेसबॉल बैट, लाठी-डंडे और बेल्ट से कर्मचारियों पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले में चार कर्मचारी घायल हो गए, जबकि आरोपियों ने ढाबे में भी तोड़फोड़ की। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा में है।

जानकारी के अनुसार, रात करीब 2:30 बजे कुछ युवक कारगिल ढाबे पहुंचे थे। उन्होंने कर्मचारियों से आइसक्रीम, सिगरेट, अंडा करी और डिस्पोजल सामान मांगा। कर्मचारियों ने ढाबा बंद होने की बात कहते हुए सामान देने से मना कर दिया। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर युवकों और कर्मचारियों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया और युवकों ने कर्मचारियों पर हमला कर दिया। हमलावरों ने वहां रखे सामान में भी तोड़फोड़ की।

ढाबा संचालक रमेश सिंह उर्फ मिंटू के मुताबिक, हमले में अंकुर सिंह, अमान खान और सैफ खान सहित करीब आधा दर्जन युवक शामिल थे। उन्होंने बताया कि बुधवार रात करीब 2:30 बजे खाना खाने के बाद वह घर चले गए थे। रात लगभग 3:10 बजे कर्मचारियों ने फोन कर घटना की जानकारी दी। जब तक वह मौके पर पहुंचे, आरोपी वहां से फरार हो चुके थे।

चार कर्मचारी घायल

हमले में सुनील अहिरवार, सूरज सिंह गौड़, अंकित अहिरवार और निखिल अहिरवार को चोटें आई हैं। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

घटना के बाद कोलगवां थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान और घटना में उनकी भूमिका की जांच कर रही है। ढाबा संचालक की ओर से बताए गए नामों के आधार पर भी पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। देर रात ढाबे में हुई इस वारदात ने शहर में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वर्किंग डे पर कार्यालय में लटका रहा ताला

मंडला, यशभारत। मंडला जिले के नैनपुर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय की लचर कार्यप्रणाली और मनमानी का एक गंभीर मामला सामने आया है। गैर-अवकाश के दिन (वर्किंग डे) भी कार्यालय में ताला लटका मिला। इस लापरवाही के कारण विभागीय कार्यों और अपने एरियर भुगतान के लिए दूर-दराज से पहुंचे शिक्षकों को निराश होकर बिना काम कराए ही वापस लौटना पड़ा। जानकारी अनुसार नैनपुर बीईओ कार्यालय में 12 से 15 अधिकारी-कर्मचारियों का स्टाफ पदस्थ है। इसके बावजूद कार्यालयीन समय में एक भी जिम्मेदार कर्मचारी उपस्थित नहीं था और मुख्य द्वार पर ताला झूल रहा था।



एरियर भुगतान और अन्य जरूरी काम के सिलसिले में पहुंचे शिक्षकों को इससे भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कार्यालय बंद होने से न केवल उनका काम अटका, बल्कि समय और संसाधनों की भी बर्बादी हुई। इस लापरवाही के संबंध में जब आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला से बात की गई, तो उन्होंने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रशासन या शासन की ओर से आज कार्यालय बंद रखने या किसी भी प्रकार के अवकाश की कोई घोषणा नहीं की गई थी। ऐसे में जब कोई शासकीय अवकाश था ही नहीं, तो कार्यालय में ताला क्यों लगा था? यह सवाल कर्मचारियों की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा करता है। कार्यालय की इस मनमानी का खुलासा तब हुआ जब संवाददाता विनय नामदेव ने बीईओ कार्यालय में ताला लगे होने की सूचना विभाग के उच्च अधिकारियों को दी। उच्चाधिकारियों तक बात पहुंचते ही विभाग में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में नैनपुर नगर में ही रहने वाले एक स्थानीय बाबू और भृत्य (चपरासी) ने दोपहर 3:30 बजे दफ्तर पहुंचकर ताला खोला। दोपहर साढ़े तीन बजे ताला खोले जाने की इस पूरी घटना की पुष्टि कार्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आसानी से की जा सकती है। इस वाकये ने शिक्षा विभाग के जमीनी कार्यालयों की लापरवाही को उजागर कर दिया है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या वरिष्ठ अधिकारी इस मनमानी को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कोई सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करेंगे, या फिर त्योहार की आड़ लेकर मामले की लीपापोती कर कर्मचारियों को बचा लिया जाएगा? स्थानीय शिक्षकों ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि शासकीय कार्यालयों में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करना अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले शिक्षकों को कार्यालय बंद मिलने पर दोबारा आने के लिए अतिरिक्त समय और किराया खर्च करना पड़ता है। शिक्षकों ने मांग की है कि कार्यालय की उपस्थिति व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाए। साथ ही संबंधित दिन की उपस्थिति पंजी और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए। अब देखना होगा कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और भविष्य में ऐसी लापरवाही रोकने के लिए क्या व्यवस्था करते हैं।

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आगाज

मंडला। लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई में सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में सिद्ध प्रभु की आराधना का महानुष्ठान आरंभ हो गया है। संत शिरोमणि आचार्य भगवंत श्रीविद्या सागर महाराज एवं विद्याकुल शिरोमणि आचार्य श्री समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या परम वंदनीय आर्यिका मां विमल मति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य तथा ब्रह्मचारी निलेश भैया के कुशल निर्देशन में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य मंगल अनुष्ठान घट यात्रा और ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ हुआ।

युवा भाजपा नेता अभिषेक भार्गव का हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जन्मदिन



गढ़ाकोटा। गढ़ाकोटा में युवा भाजपा नेता अभिषेक गोपाल भार्गव (दीपू भैया) एवं पुत्री वेदिका एवं पुत्र राम का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके निवास और नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों, समाजसेवियों और क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। जन्मदिन के अवसर पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर, पुष्पमाला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। नगर गढ़ाकोटा में जगह-जगह बधाई पोस्टर, होर्डिंग और सोशल मीडिया पर भी शुभकामनाओं का तांता लगा रहा। लोगों ने कहा युवा भाजपा नेता पद पर न होते हुए भी जन-जन के प्रतिनिधि की तरह काम करते हैं।

अभिषेक भार्गव रहली विधानसभा से लगातार नौ बार के विधायक, पूर्व वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री, पूर्व नेता प्रतिपक्ष पंडित गोपाल भार्गव के सुपुत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गढ़ाकोटा के सरस्वती शिशु मंदिर से प्राप्त की। बचपन से ही सहज-सरल स्वभाव के आज भी उसी सरलता के साथ जनता के बीच रहते हैं।

उनके बारे में क्षेत्रवासी कहते हैं कि वे अपनी भौतिक सुख-सुविधाओं को छोड़कर गांव, गली, मोहल्ले और बाजार में जन-जन के बीच घूमते रहते हैं। किसी के सुख-दुख में समय पर पहुंचना, सबको सुनना, सबको समझना और सबकी मदद करना ही उनकी पहचान है। जनता को भगवान मानकर वे हमेशा चेहरे पर आत्मीय मुस्कान लेकर मिलते हैं।

उनकी राजनीति कोई सामान्य राजनीति नहीं है, वो तो एक अविरल बहती हुई नदी के जैसे निश्छल यात्रा है, जो बिना किसी स्वार्थ के बहती जा रही है और अपने मीठे निर्मल जल से सबकी प्यास बुझा रही है। वे एक ऐसे फलदार वृक्ष की तरह हैं, जो लगातार अपने फल हर जरूरतमंद को दे रहे हैं, भले ही उन पर पत्थर ही क्यों न फेंके जाएं। उनका धैर्य ही उनका असली गुण है। वे अपने पिता के अनुभव और अपनी नई युवा सोच से क्षेत्र के विकास को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। उनके कार्यों में पिताजी के कार्यों और निर्णयों की झलक मिलती है। उनकी उपस्थिति रहने पर भैया गोपाल भार्गव की आयोजन में उपस्थित न रहने की कोई कमी किसी को नहीं खलती।

उनकी धर्मपत्नी शिल्पी भार्गव भी अपने सास-ससुर और पति की जीवन परंपरा से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के लिए समर्पित हैं। उनके सहयोग से वेदिका फाउंडेशन के माध्यम से न जाने कितने बाल हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को नया जीवन मिल रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे सदा खुश, प्रसन्न रहें, लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहें, उनके जीवन के सभी सपने, महत्वाकांक्षा, मनोकामना पूर्ण हों और वे नित नवीन सफलता प्राप्त करके अपने पिताजी एवं परिवार का नाम रोशन करें।

पुष्पेंद्र साहू का निधन



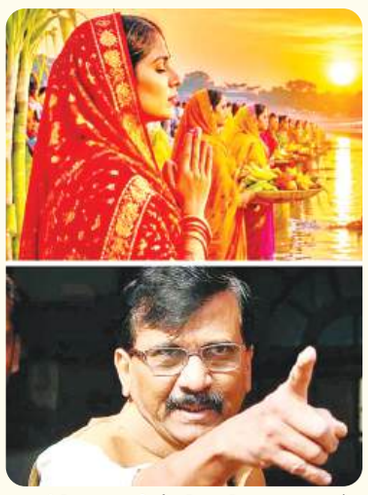
गढ़ाकोटा। श्रमजीवी पत्रकार संघ अध्यक्ष नितिन साहू के बड़े भाई पुष्पेंद्र साहू का स्वर्गवास हो गया है। पुष्पेंद्र साहू की अंत्येष्टि गुरुवार को सुबह 9:30 बजे पथरिया रोड स्थित मुक्तिधाम पर सैकड़ों जनमानस की उपस्थिति में संपन्न हुई। अंतिम संस्कार में नगर के पत्रकार बंधु, समाज के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और शुभचिंतक उपस्थित रहे और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। शोकाकुल परिवार चाचा - राजेंद्र साहू, मुकेश साहू, महेंद्र साहू (बड़डन)भाई - नितिन साहू (पत्रकार)समस्त साहू परिवारपता - शिवाजी वार्ड, गढ़ाकोट समस्त कुशवाहा समाज संगठन ग्राम सजरा, समस्त पत्रकार बंधु नगर गढ़ाकोटा एवं हितैषियों ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और दुखी परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति एवं संबल दें।

छठ पूजा के गीतों पर सियासी संग्राम

संजय राऊत ने जताई आपत्ति, बोले- महाराष्ट्र की संस्कृति पर हावी होने का न करें प्रयास

मुंबई, यशभारत। मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर छठ पूजा के अवसर पर भोजपुरी गीत बजाए जाने को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राऊत ने रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि रेलवे प्लेटफॉर्म यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों से संबंधित सूचनाओं के लिए हैं, न कि राजनीतिक या सांस्कृतिक प्रचार के लिए।

मीडिया से बातचीत के दौरान राऊत ने सवाल उठाया कि दीपावली, होली, ईद और क्रिसमस जैसे प्रमुख त्योहारों पर रेलवे स्टेशनों पर इस तरह गाने क्यों नहीं बजाए जाते? उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर मुंबई के रेलवे स्टेशनों का इस्तेमाल



राजनीतिक फायदे के लिए किया जा रहा है।

राऊत ने छठ पूजा के महत्व को स्वीकार करते हुए कहा कि छठ एक पवित्र और आस्था से जुड़ा पर्व है। इसका पूरे सम्मान के साथ आयोजन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें छठ पूजा से कोई आपत्ति नहीं है। हम स्वयं भी इस उत्सव में शामिल होंगे, लेकिन इसके बहाने महाराष्ट्र की संस्कृति पर हावी होने का प्रयास नहीं होना चाहिए। ऐसी गतिविधियों से समाज में अनावश्यक संघर्ष पैदा होता है।'

राऊत ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की राजनीति को महाराष्ट्र में लाने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मुंबई में छठ पूजा के आयोजन, भोजपुरी गीतों और महाराष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने की संभावना है।

कसारा रेलमार्ग पर आधी रात को दो दिन मेगा ब्लॉक

लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनें होंगी प्रभावित, 20 से 25 मिनट देरी से चलेंगी नौ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें

मुंबई, यशभारत। मध्य रेलवे ने आसनगांव-कसारा तीसरी रेल लाइन के निर्माण और कसारा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म लाइन के विस्तार कार्य के लिए 13 और 14 नवंबर की मध्यरात्रि विशेष ब्लॉक लेने का निर्णय लिया है। इसके चलते कसारा मार्ग पर लोकल के साथ मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी।

रेलवे के अनुसार, दोनों दिन रात 11:10 बजे से मध्यरात्रि 1:40 बजे तक खर्डी-कसारा के बीच अप मुख्य लाइन और तीसरी लाइन पर काम किया जाएगा। इस दौरान खर्डी और कसारा के बीच लोकल सेवा पूरी तरह बंद रहेगी।

ब्लॉक से पहले छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से कसारा के लिए अंतिम लोकल रात 8:44 बजे रवाना होगी। वहीं, रात 9:32 बजे के बाद चलने वाली कसारा लोकल आसनगांव तक ही जाएंगी। रात 11:05 बजे की लोकल खर्डी तक सीमित रहेगी।

कसारा से सीएसएमटी के लिए अंतिम लोकल रात 10 बजे रवाना होगी, जबकि ब्लॉक के बाद पहली लोकल सुबह 3:51 बजे चलेगी।



इस कार्य का असर नौ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी पड़ेगा। सीएसएमटी-हावड़ा, एलटीटी-बनारस, अमृतसर और कुशीनगर सहित कई ट्रेनें 20 से 25 मिनट देरी से चलेंगी। मध्य रेलवे ने यात्रियों से समय-सारिणी देखकर यात्रा करने की अपील की है।

बम की धमकी के बाद दिलजीत के कॉन्सर्ट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होगा कार्यक्रम, पुलिस रखेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

मुंबई, यशभारत। मुंबई में पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी संगीत कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रशंसकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस और संबंधित सुरक्षा एजेंसियां विशेष सतर्कता बरतेंगी। 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होने वाले इस कार्यक्रम के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का फैसला कॉन्सर्ट स्थल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद लिया गया है।



रिपोर्ट के अनुसार, कार्यक्रम में 1,500 से 2,000 निजी सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। प्रवेश के लिए तीन के बजाय पांच द्वार बनाए जाएंगे। रेसकोर्स के आसपास 500 से 700 मीटर तक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी और यातायात नियंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रम में आने वाले दर्शकों के मोबाइल फोन और सामान की कड़ी जांच होगी। दिलजीत की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी उनके आसपास तैनात रहेंगे। उनके होटल और मुंबई पहुंचने के समय की जानकारी भी गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस की प्राथमिकता कार्यक्रम के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने की है।

श्रीकांत शिंदे के निर्देश पर छठ पूजा की तैयारियां तेज

भुल्लर महाराज ने मनपा आयुक्त को सौंपा ज्ञापन सुरक्षा और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग

उल्हासनगर, यशभारत। छठ महापर्व को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे के निर्देश पर शिवसेना शहर प्रमुख एवं वरिष्ठ नगरसेवक राजेंद्रसिंह भुल्लर (महाराज) ने छठ पूजा के आयोजन को लेकर पहल की है। उन्होंने उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा आव्हाले और अतिरिक्त आयुक्त धीरज चव्हाण को ज्ञापन सौंपकर श्रद्धालुओं के लिए घाटों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

आगामी 14, 15 और 16 नवंबर को उल्हासनगर-1 स्थित आईडीआई कंपनी घाट और अंटालिया घाट पर छठ पूजा महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे देखते हुए भुल्लर महाराज ने दोनों घाटों पर अस्थायी मंडप और मंच लगाने की अनुमति, लाउडस्पीकर की मंजूरी, स्वच्छता, पर्याप्त रोशनी, पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

ज्ञापन में अग्निशमन दल, एंबुलेंस, मेडिकल टीम और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था के साथ पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त, यातायात नियंत्रण और पार्किंग की उचित व्यवस्था करने की भी मांग की गई है। साथ ही चोरी और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए



विशेष सुरक्षा इंतजाम करने पर जोर दिया गया है। इस दौरान कमलेश निकम भी उपस्थित थे।

भुल्लर महाराज ने कहा कि छठ पूजा उत्तर भारतीय समाज की आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा सभी भक्त सुरक्षित वातावरण में सूर्यदेव की आराधना कर सकें, इसके लिए प्रशासन को समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी चाहिए। आयोजकों ने भी स्वच्छता, सुरक्षा और ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करने का आश्वासन दिया है।

सूखाग्रस्त किसानों के लिए रीजेंसी ग्रुप का 50 लाख का योगदान

सीएम फडणवीस ने जताया आभार

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में सूखे की मार झेल रहे किसानों को आर्थिक राहत पहुंचाने के लिए रीजेंसी ग्रुप ने सराहनीय पहल की है। समूह के सीएमडी महेश अग्रवाल ने मुख्यमंत्री सहायता निधि में 50 लाख रुपए का आर्थिक योगदान दिया है। इस राशि का उपयोग सूखा प्रभावित किसानों की सहायता के लिए किया जाएगा।

महेश अग्रवाल ने मुंबई में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर उन्हें 50 लाख रुपए का चेक सौंपा। राज्य के कई हिस्सों में सूखे के कारण किसानों को गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फसलों को नुकसान पहुंचने और खेती की लागत बढ़ने से किसानों पर आर्थिक संकट गहराया है। ऐसे मुश्किल समय में रीजेंसी ग्रुप की ओर से दी गई यह सहायता प्रभावित किसानों के लिए राहत का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महेश अग्रवाल के इस आर्थिक सहयोग के लिए



उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए किसानों की मदद के लिए आगे आने वाली सामाजिक संस्थाओं और उद्योग जगत के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

हाईकोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी

सार्वजनिक जगहों पर पटाखे फोड़ने वाले 40 पर एक्शन, 29 पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, यशभारत। सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़कर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुंबई पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। दिवाली के दौरान नियमों की अनदेखी करने के आरोप में पुलिस ने 40 लोगों के खिलाफ 29 प्राथमिकी दर्ज की हैं। यह कार्रवाई 5 से 10 नवंबर के बीच की गई।



बॉम्बे हाईकोर्ट ने सितंबर में महाराष्ट्र में सार्वजनिक सड़कों, गलियों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद दिवाली के दौरान कई इलाकों में आतिशबाजी जारी रही। पुलिस ने ग्रांट रोड, माहिम, कुर्ला, पवई और विक्रोली सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की।

पटाखों के कारण आग लगने की घटनाओं में भी वृद्धि दर्ज की गई। मुंबई में दिवाली के दौरान आग की 282 घटनाएं सामने आईं, जिनमें करीब 200 घटनाएं पटाखों से जुड़ी थीं। वहीं, मुंबई महानगर क्षेत्र में पटाखों के कारण आग लगने की लगभग 390 घटनाएं दर्ज की गईं। इसके अलावा, 2 से 10 नवंबर के बीच अवैध रूप से पटाखे बेचने के मामलों में भी 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गईं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

टेकऑफ से पहले रनवे से फिसला प्रशिक्षण विमान

सोलापुर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला महिला प्रशिक्षु पायलट बाल-बाल बची

सोलापुर, यशभारत। महाराष्ट्र के सोलापुर हवाई अड्डे पर गुरुवार को टेकऑफ की तैयारी कर रहा एक प्रशिक्षण विमान अचानक संतुलन खो बैठा और रनवे से फिसलकर बाहर चला गया। इस घटना से हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, गनीमत रही कि विमान में सवार महिला प्रशिक्षु पायलट बाल-बाल बच गई। उसे किसी तरह की चोट नहीं आई है।



प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान उड़ान भरने की तैयारी में था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह रनवे से बाहर निकल गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और संबंधित एजेंसियों की टीमें मौके पर पहुंचीं। विमान के रनवे से फिसलने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

फिलहाल विमान में कितने लोग सवार थे, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हवाई अड्डा प्रशासन की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार है। जांच पूरी होने के बाद हादसे की असली वजह स्पष्ट हो सकेगी।

कागजों पर हिंदुओं के नाम फ्लैटों में कौन आबाद?

एंटॉप हिल में म्हाडा के 110 फ्लैटों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के कब्जे का आरोप

मुंबई, यशभारत। मुंबई के एंटॉप हिल स्थित म्हाडा की आवासीय परियोजना के 110 फ्लैटों पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने आरोप लगाया है कि कम आय वर्ग (एलआईजी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए बनाए गए इन फ्लैटों पर बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने इस संबंध में दस्तावेजों और नामों की सूची के साथ म्हाडा प्रशासन तथा संबंधित मंत्रियों को शिकायत सौंपकर जांच की मांग की है। सोमैया के अनुसार, इन फ्लैटों के मूल आवंटन हिंदुओं के नाम पर हुए थे, लेकिन कथित तौर पर मुख्तारनामा (पावर ऑफ अटॉर्नी) के माध्यम से दूसरे लोगों ने इन पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने कुछ मूल आवंटियों और वर्तमान कब्जाधारियों के नाम भी सार्वजनिक किए हैं। सोमैया ने बताया कि नूरबाजार स्थित म्हाडा परिसर के 50 से अधिक निवासियों ने उनसे मिलकर अवैध कब्जे, बेनामी लेन-देन और धमकियों की शिकायत की है। उन्होंने म्हाडा के उपाध्यक्ष मिलिंद बोरीकर को पत्र लिखकर तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। सोमैया ने 14 नवंबर को परिसर का दौरा करने की भी घोषणा की है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।



भाईदूज पर एक छत के नीचे आया ठाकरे परिवार

राज और उद्धव ठाकरे ने परिवार के साथ बहन जयवंती के घर मनाया त्योहार, रश्मि और आदित्य भी रहे मौजूद



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ठाकरे परिवार की एकजुटता की तस्वीर सामने आई है। भाईदूज के अवसर पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे अपने पूरे परिवार के साथ बहन जयवंती के घर पहुंचे और पारंपरिक तरीके से भाऊबीज का त्योहार मनाया। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

राज ठाकरे अपनी पत्नी शर्मिला और बेटे अमित ठाकरे के साथ पहुंचे, वहीं उद्धव ठाकरे पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य के साथ नजर आए। परिवार के सभी सदस्यों ने एक साथ त्योहार मनाया। ठाकरे परिवार में हर साल भाईदूज पर बहन जयवंती के घर जुटने की परंपरा रही है। गौरतलब है कि ठाकरे बंधुओं ने दिसंबर 2026 में होने वाले महानगरपालिका चुनावों के लिए साथ आने की घोषणा की है। इससे पहले जुलाई में मराठी भाषा के मुद्दे पर भी दोनों भाई एक मंच पर नजर आए थे। ऐसे में भाईदूज पर परिवार की यह मुलाकात राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा का विषय बन गई है। हालांकि, यह पारिवारिक आयोजन था, लेकिन इसकी तस्वीरों ने राजनीतिक चर्चाओं को फिर हवा दे दी है।

महाराष्ट्र के तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा कोंकण

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के समुद्र तटों के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। राज्य के रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन समुद्र तटों को वर्ष 2026-27 के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'ब्लू फ्लैग' सम्मान प्रदान किया गया है। महाराष्ट्र को पहली बार यह अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है।



ब्लू फ्लैग सम्मान उन समुद्र तटों को दिया जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, समुद्र के पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता की सुरक्षा, पर्यटकों की सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं।

इस वर्ष पूरे देश के 22 समुद्र तटों को यह सम्मान मिला है। इनमें 9 नए समुद्र तट शामिल हैं, जबकि 13 को पुराने प्रमाणपत्र का नवीनीकरण मिला है।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि इससे महाराष्ट्र के समुद्र तटों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय रोजगार और पर्यटन व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलेगा। इन तीनों समुद्र तटों पर ब्लू फ्लैग पर्यटन सत्र 15 नवंबर 2026 से शुरू होगा। इसके लिए आधिकारिक ध्वज नीदरलैंड से लाए जा रहे हैं। जल्द ही ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

मुंबई की पहली रोपवे परियोजना की शुरुआत

मुलुंड से तारामती माता मंदिर तक बनेगा रोपवे, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की पर्यावरणीय मंजूरी बड़ी चुनौती

मुंबई, यशभारत। मुंबई की पहली रोपवे परियोजना को लेकर शुरुआती प्रक्रिया शुरू हो गई है। मुलुंड की पहाड़ियों से संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान (एसजीएनपी) स्थित तारामती माता मंदिर तक रोपवे बनाने की योजना पर सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने सलाहकार नियुक्त करने के लिए निविदा जारी की है। सलाहकार परियोजना का प्रारूप, मार्ग, स्टेशन के स्थान और निर्माण लागत का आकलन तैयार करेंगे।

इस परियोजना का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और श्रद्धालुओं को पहाड़ी पर स्थित तारामती माता मंदिर तक पहुंचने की सुविधा देना है। मुलुंड के भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा ने वर्ष 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान इस रोपवे का वादा किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रोपवे मुलुंड से बोरीवली तक नहीं, बल्कि मुलुंड की तलहटी से मंदिर तक ही प्रस्तावित है।

हालांकि, परियोजना के सामने पर्यावरणीय मंजूरी की बड़ी चुनौती है। मंदिर संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की सीमा में स्थित है, जहां निर्माण गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध हैं। इसके लिए केंद्र के वन एवं पर्यावरण विभाग की आवश्यक मंजूरी लेनी होगी। पर्यावरण कार्यकर्ता जोरू बथेना ने भी मंजूरी मिलने तक निर्माण शुरू नहीं करने की बात कही है। सलाहकार वन्यजीवों और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन भी करेंगे।

दिवाली के प्रदूषण से मुंबई को राहत

मुंबई, यशभारत। मुंबई में दिवाली के दौरान आतिशबाजी के कारण बढ़ा वायु प्रदूषण अब धीरे-धीरे कम होने लगा है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) घटकर 138 पर पहुंच गया है। हालांकि, प्रदूषण का स्तर अभी भी संतोषजनक नहीं कहा जा सकता, लेकिन दिवाली के बाद की स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं। शहर का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 138 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। शहर के 25 सक्रिय निगरानी केंद्रों में से 23 पर हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया। हालांकि, नेवी नगर में एक्यूआई 207 और मालाड पश्चिम में 206 रहा, जो खराब श्रेणी में है। दिवाली के दौरान पटाखों से निकले धुएं के कारण कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया था। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, चेंबूर और खेरवाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी प्रदूषण अधिक दर्ज किया गया था।

सायन अस्पताल के डॉ. चव्हाण को ब्रिटेन का सर्वोच्च सम्मान



मुंबई, यशभारत। मुंबई के सायन अस्पताल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के प्राध्यापक डॉ. निरंजन चव्हाण को ब्रिटेन के रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस एंड गायनेकोलॉजिस्ट्स ने प्रतिष्ठित एफआरसीओजी (मानद) उपाधि से सम्मानित किया है। अक्टूबर 2026 में प्रदान किया गया यह सम्मान महिला स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। डॉ. चव्हाण को 35 वर्षों के अध्यापन अनुभव, 125 से अधिक शोध पत्रों और 42 पुस्तक अध्यायों के लेखन का अनुभव है। सायन अस्पताल में प्रतिवर्ष 12 हजार से अधिक प्रसव कराए जाते हैं। उन्हें 22 से 24 अप्रैल 2027 तक मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मान ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। वे इस सम्मेलन में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग और प्रसव के बाद होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव की रोकथाम संबंधी अनुभव भी साझा करेंगे।

चिंतन-मनन

सोनिया गांधी की Belonging भारतीयता की कसौटी और राजनीतिक विरासत का सवाल

भारत को अपना सर्वस्व सौंपने वाली महिला को क्या जीवनभर अपनी भारतीयता साबित करनी पड़ी? और क्या पारिवारिक संस्मरणों से इतिहास की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं? सोनिया गांधी की पुस्तक Belonging: A Journey of Love इन दिनों राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पांच सौ से अधिक पृष्ठों के इस संस्मरण पर पूरी तरह चर्चा होने से पहले ही इसके चुनिंदा प्रसंगों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कोई इसे गांधी परिवार के अतीत का खुलासा बता रहा है तो कोई आलोचनाओं को राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित मान रहा है। लेकिन इस पुस्तक का वास्तविक महत्व केवल इसके खुलासों में नहीं, बल्कि इसके शीर्षक 'बेलॉन्गिंग' यानी अपनत्व और स्वीकार्यता के भाव में भी छिपा है। राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी ने भारत को अपना घर, परिवार और कर्मभूमि बनाया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अपनाया तथा अंततः देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनके विदेशी मूल को लेकर दशकों तक सवाल उठते रहे। प्रधानमंत्री बनने की संभावना के समय यह विवाद इतना बढ़ा कि शरद पवार ने भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। सोनिया गांधी ने अंततः प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को आगे किया। उनके इस निर्णय को राजनीतिक त्याग या रणनीतिक समझ, दोनों रूपों में देखा जा सकता है। लेकिन पुस्तक का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष 1975 का आपातकाल है। सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के फैसले को राजनीतिक गलती माना है और संजय गांधी की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया है। सवाल यह है कि क्या आपातकाल की जिम्मेदारी संजय गांधी पर केंद्रित करके इंदिरा गांधी और तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जवाबदेही कम की जा सकती है? 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने का निर्णय इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने लिया था। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, नागरिक अधिकारों का हनन और जबरन नसबंदी जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर गहरे दाग हैं। संजय गांधी की भूमिका विवादास्पद थी, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था और तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सोनिया गांधी के संस्मरण को न तो राजनीतिक दुर्भावना से खारिज करना उचित है और न ही उसमें लिखी प्रत्येक बात को अंतिम ऐतिहासिक सत्य मान लेना। संस्मरण व्यक्तिगत अनुभव होते हैं, इतिहास का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों और प्रमाणों से होता है। मीडिया को भी सनसनीखेज शीर्षकों के बजाय पुस्तक की समग्रता पर चर्चा करनी चाहिए। Belonging एक तरफ सोनिया गांधी के अपनत्व और स्वीकार्यता के संघर्ष की कहानी है, तो दूसरी तरफ गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत और जवाबदेही पर विचार करने का अवसर भी। भारतीयता जन्मस्थान से बड़ी है, लेकिन राजनीतिक जिम्मेदारी पारिवारिक स्मृतियों से छोटी नहीं हो सकती। लोकतंत्र में सम्मान और जवाबदेही, दोनों समान रूप से जरूरी हैं।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटीक्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्यों बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-13 नवम्बर, 2026
दिन-शुक्रवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, ली, आ
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक रो, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

जनजातीय नायकों के शौर्य, बलिदान और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा : शिवनारायण सिंह

11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में होंगे विविध आयोजन

उमरिया, यश भारत। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष कैलाश सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक शिवनारायण सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा 11 से 18 नवंबर तक पूरे प्रदेश में 'जनजातीय गौरव सप्ताह' मनाया जाएगा। इस दौरान पार्टी संगठन, प्रदेश सरकार और जनजातीय समाज की सहभागिता से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर जनजातीय महापुरुषों के शौर्य, संघर्ष, त्याग, बलिदान और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।



विधायक श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की ऐतिहासिक पहल की। इस निर्णय ने देश के जनजातीय नायकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पहचान दिलाने का काम किया है। भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में देश, समाज और जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष कर जनजातीय समाज में स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अधिकारों के प्रति जागरूकता की नई चेतना जगाई। वे केवल महान क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक भी थे। जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता केवल विचारों और भाषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठन की कार्यप्रणाली, राजनीतिक भागीदारी और केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आसीन होना इस समाज के सम्मान, सामर्थ्य और बढ़ती भागीदारी का ऐतिहासिक उदाहरण है। आज केंद्र एवं प्रदेश सरकार सहित विभिन्न महत्वपूर्ण संस्थाओं में जनजातीय समाज के प्रतिनिधि महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं

भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को धार तथा 16 नवंबर को खण्डवा में बड़े स्तर पर आयोजन किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, गौरवशाली इतिहास और विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया जाएगा। उमरिया जिले में 15 नवंबर को ग्राम डगडौआ में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।श्री अग्रवाल ने बताया कि जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान जिले के सभी विद्यालयों एवं छात्रावासों में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई जाएगी। विद्यार्थियों को जनजातीय महापुरुषों के शौर्य, संघर्ष, बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान से परिचित कराया जाएगा। वहीं 16 एवं 17 नवंबर को जनजातीय छात्रावासों में युवाओं के साथ सीधा संवाद एवं संपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त 18 से 20 नवंबर तक प्रदेश के जनजातीय विकासखंडों के चयनित ग्रामों में 'जनजातीय गौरव चौपाल' आयोजित कर समाज के लोगों से संवाद किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनजातीय गौरव सप्ताह मनाने का उद्देश्य इसे महज औपचारिक आयोजन तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि जनजातीय समाज की अस्मिता, स्वाभिमान, गौरवशाली संस्कृति, लोककला, परंपराओं और अधिकारों के प्रति व्यापक जनजागरण करना है। इस अवसर पर एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष कैलाश सिंह ने जिले में ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए जनजातीय समाज की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की बात कही। पत्रकार वार्ता के अंत में जिला महामंत्री

तीन दिन से लापता युवक का डैम में मिला शव



गांव में पसरा मातम

उमरिया, यश भारत। जिले के इंदवार थाना क्षेत्र अंतर्गत अमरपुर चौकी के ग्राम देवगवां में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के समीप स्थित डैम में एक युवक का शव पानी में दिखाई दिया। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय नंदीलाल पिता सौखी कोल निवासी ग्राम देवगवां के रूप में हुई है। युवक पिछले तीन दिनों से लापता था। उसकी तलाश में परिजन और ग्रामीण लगातार जुटे हुए थे। जिस युवक को परिवार के लोग तलाश रहे थे, गुरुवार सुबह उसका शव डैम में मिलने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

9 नवंबर को घर से निकला, फिर नहीं लौटा

मिली जानकारी के अनुसार नंदीलाल ग्राम देवगवां के मोहल्ला बरिहाई में हनुमान मंदिर के पीछे रहता था। बीते 9 नवंबर को वह अपने घर से निकला था, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटा। शुरुआत में परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी तलाश की। रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से भी युवक के संबंध में जानकारी जुटाई गई, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को उसकी गुमशुदगी की सूचना दी थी।युवक के अचानक लापता होने से परिवार के लोग चिंतित थे। तीन दिनों तक परिजन और ग्रामीण आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश करते रहे। हर गुजरते दिन के साथ परिवार की चिंता बढ़ती जा रही थी। उन्हें उम्मीद थी कि नंदीलाल सुरक्षित मिल जाएगा, लेकिन गुरुवार सुबह डैम में उसका शव मिलने की सूचना ने परिवार की उम्मीदों को गहरे दुख में बदल दिया।

डैम में शव दिखने पर पुलिस को दी सूचना

गुरुवार सुबह गांव के पास स्थित डैम में ग्रामीणों ने एक युवक का शव पानी में तैरता देखा। इसकी जानकारी मिलते ही गांव में हलचल मच गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर अमरपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की। शव की पहचान नंदीलाल के रूप में होने के बाद परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई।

मौत की वजह जांच के बाद होगी स्पष्ट

अमरपुर चौकी प्रभारी अभिलाष सिंह ने बताया कि ग्राम देवगवां के डैम में युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। युवक 9 नवंबर से लापता था। उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और वह डैम तक कैसे पहुंचा, इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आ सकेगा।



तंबाकू की लत छुड़ाने स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा राष्ट्रीय अभियान, मरीजों को दी जा रही काउंसलिंग और च्युइंग गम

28 अक्टूबर से 26 दिसंबर तक चलेगा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम 4.0, मरीजों का तंबाकू सेवन शून्य पर लाने का लक्ष्य

तेंदूखेड़ा, यशभारत। तंबाकू और उससे जुड़े नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने और तंबाकू की लत छुड़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम 4.0 का संचालन किया जा रहा है। मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरौनिया के मार्गदर्शन में अस्पताल परिसर में नशा मुक्ति कक्ष स्थापित किया गया है, जहां तंबाकू का सेवन करने वाले मरीजों को विशेष परामर्श और उपचार संबंधी सहायता दी जा रही है। यह अभियान 28 अक्टूबर से शुरू होकर 26 दिसंबर तक संचालित होगा। कार्यक्रम के तहत अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों से तंबाकू सेवन की आदत के संबंध में जानकारी लेकर उन्हें इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही तंबाकू सेवन से मुंह का कैंसर, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों के खतरे को समझाते हुए इससे दूरी बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। डॉ. पुष्पराज ने बताया कि नशा मुक्ति कक्ष में मरीजों की काउंसलिंग कर उन्हें तंबाकू छोड़ने के तरीके बताए जा रहे हैं। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी के तहत 2 मिलीग्राम और 4 मिलीग्राम की च्युइंग गम उपलब्ध कराई जा रही है। जिन मरीजों में तंबाकू सेवन की लत अधिक है, उन्हें चिकित्सकीय सलाह के अनुसार 4 मिलीग्राम तथा कम सेवन करने वालों को 2 मिलीग्राम की च्युइंग गम दी जा रही है। उन्होंने बताया कि मरीजों को च्युइंग गम देने के बाद प्रत्येक 15 दिन में फॉलोअप किया जाएगा, जिससे उनकी प्रगति और तंबाकू छोड़ने के प्रयासों का आकलन किया जा सके। दो महीने तक चलने वाले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को तंबाकू की लत से मुक्त कर उनका सेवन शून्य तक लाना है।

बालाघाट

घटाव में चुनौतियां एवं समाधान विषय पर जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद संपन्न

बालाघाट, यशभारत। कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक श्री आदित्य सिंह के निर्देशानुसार प्राथमिक शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से डाइट बालाघाट में गुरुवार को जिला स्तरीय उन्मुखीकरण शैक्षिक संवाद आयोजित किया गया। इसमें कक्षा 1-2 एवं कक्षा 3-5 के विद्यार्थियों को घटाव सिखाने में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की गई। डाइट प्राचार्य श्री एन.पी. मलगाम ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग भोपाल के सचिव के निर्देशानुसार प्रतिमाह प्राथमिक शालाओं में शैक्षिक संवाद आयोजित किया जाता है। नवंबर माह का विषय 'घटाव में चुनौतियां एवं समाधान' रखा गया। इसमें बच्चों को घटाव समझाने, उधार वाले घटाव में दहाई-इकाई का संबंध स्पष्ट करने तथा शिक्षण की विभिन्न विधियों पर प्रशिक्षण दिया गया। संवाद में



जादुई पिटारा, जोड़-घटाव बोर्ड, अंक कार्ड, डेंस ब्लॉक चार्ट, जूनियर अबेकस, तीलियां एवं बंडल, कंकड़ और चित्र कार्ड जैसी शिक्षण सामग्री के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही अक्टूबर माह की शिक्षण योजनाओं के अनुभव साझा कर आगामी शिक्षण योजना तैयार करने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में जिला परियोजना समन्वयक श्री घनश्याम बर्मन, प्रशिक्षण प्रभारी श्री दिलीप बावनकर, श्री के.डी. तितिरमारे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक, श्री एस.एन. पंडित, श्रीमती सरला भारद्वाज, श्रीमती स्मिता तितिरमारे, श्री अरविंद मते, श्री तुलेन्द्र कुथे, श्री मनोज मेश्राम, सहायक प्रशिक्षण प्रभारी श्री सजल मस्की, मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती रेखा सेन एवं श्रीमती बरखा त्रिपाठी, तकनीकी सहायक श्री श्रद्धानंद भालाधरे सहित जिले के 77 जनशिक्षा केंद्रों के नोडल जनशिक्षक एवं सहजकर्ता उपस्थित रहे। जिला स्तरीय उन्मुखीकरण के बाद 14 नवंबर को कक्षा 1-2 तथा 21 नवंबर को कक्षा 3-5 के लिए जिले के सभी जनशिक्षा केंद्रों में शैक्षिक संवाद आयोजित होंगे। इनका निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग कलेक्टर के निर्देशानुसार विभागीय अधिकारियों द्वारा की

नक्सलवाद के खात्मे के बाद बालाघाट में विकास की नई इबारत



100 गांवों के कायाकल्प के लिए 330 करोड़ की कार्ययोजना, 266 करोड़ के कार्य स्वीकृत; सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर रहेगा जोर

बालाघाट, यशभारत। तीन दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद की चुनौती से जूझने वाला बालाघाट जिला अब विकास की नई राह पर आगे बढ़ने की तैयारी में है। नक्सलवाद के खात्मे के बाद पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, रोजगार के अवसरों का सृजन और ग्रामीणों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। जिले के 100 पूर्व नक्सल प्रभावित गांवों के समग्र विकास के लिए 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनाई गई है, जिसमें 266 करोड़ रुपये के कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। इसी विषय को लेकर गुरुवार को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भोपाल एवं जिला प्रशासन बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में मीडिया कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए चलाए गए अभियानों, प्रभावित गांवों में हुए विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की। कार्यशाला में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, युवाओं और मीडिया प्रतिनिधियों ने भी अपने अनुभव एवं सुझाव रखे।

1239 अभियानों के बाद जिले से नक्सलवाद का खात्मा

पुलिस उप महानिरीक्षक विनीत जैन ने बताया कि मार्च 2026 तक जिले में नक्सलवाद के खात्मे के लिए पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा कुल 1239 अभियान चलाए गए। 14 जून 2025 को पचामा-दादर की पहाड़ियों में हुई मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए, जबकि 11 दिसंबर 2025 को दो नक्सलियों के आत्मसमर्पण के साथ जिले में नक्सलवाद का खात्मा हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले 35 वर्षों के दौरान नक्सली हिंसा में 57 आम नागरिकों की हत्या हुई। जिले के 483 गांव नक्सल प्रभावित रहे, जिनमें 163 गांव अति प्रभावित श्रेणी में शामिल थे। लंबे समय तक इन क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के कारण विकास कार्यों और सामान्य जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

337 करोड़ से सड़क-पुल निर्माण, 250 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार

प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए पिछले पांच वर्षों में 337 करोड़ रुपये की लागत से 35 सड़क एवं 43 पुल-पुलियों के कार्य कराए गए हैं। इनमें 241 करोड़ रुपये के 38 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इन निर्माण कार्यों से लगभग 250 नक्सल प्रभावित गांवों का सड़क संपर्क बेहतर हुआ है। इसके अलावा संचार सुविधाओं के विस्तार के लिए 90 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए 858 जन चौपाल आयोजित की गईं तथा आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने के लिए 46 एकल सुविधा केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यांजली योजना के तहत 250 स्कूलों में सुधार कार्य किए गए हैं।

गोंदिया महाराष्ट्र से संत भोलाराम साईं जी का आगमन

संत श्री भोला रामजी के आगमन पर प्रेम प्रकाश आश्रम में सजा सत्संग का दरबार

भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक संदेशों के बीच मनाया गया स्नेह दीपावली मिलन समारोह, सत्संग एवं अंताक्षरी में शामिल हुई संगत



बालाघाट, यशभारत। स्थानीय श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में मंगलवार, 10 नवंबर 2026 को संत श्री भोला रामजी (गोंदिया वाले) के शुभ आगमन पर भव्य सत्संग एवं स्नेह दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। शाम 6 से 8 बजे तक आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में सत्संग, भजन-कीर्तन और अंताक्षरी के माध्यम से भक्ति एवं आध्यात्मिकता का सुंदर वातावरण निर्मित हुआ। संतों के सानिध्य में संगतजनों ने आध्यात्मिक विचारों का लाभ लिया और आपसी प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सत्संग के महत्व को बताते हुए कहा गया कि कलियुग में साधु-संगत और हरि नाम का स्मरण ही जीवन को सही दिशा देने का श्रेष्ठ माध्यम है। कार्यक्रम में श्री सतनाम साक्षी की जयकार के साथ श्रद्धालुओं ने संत श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन के माध्यम से दीपावली के स्नेह, समर्पण और आध्यात्मिक एकता का संदेश प्रसारित किया गया।

संस्कारधानी की स्वच्छता में ऐतिहासिक छलांग

जबलपुर, यशभारत। स्वच्छता के क्षेत्र में संस्कारधानी जबलपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर एक नया कीर्तिमान रचते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया, जिसे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार और वर्तमान निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने ग्रहण किया। इस सफलता के पीछे कोई एक दिन की मेहनत नहीं, बल्कि ठोस तकनीकी प्रबंधन, वैज्ञानिक कचरा निष्पादन और प्रशासनिक नवाचारों का लंबा सफर है।

22वें से दूसरे स्थान तक का सफर

जब वर्तमान महापौर ने कार्यभार संभाला था, तब स्वच्छता सर्वेक्षण में जबलपुर देश में 22वें पायदान पर था। वहां से क्रमिक सुधार करते हुए शहर 13वें, फिर पांचवें और अब सीधे दूसरे स्थान पर पहुंचा है। इस सफर की सफलता के पीछे वे तकनीकी और प्रशासनिक बिंदु रहे, जिन्होंने शहर की सूरत बदल दी।

- **वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और वैज्ञानिक कचरा प्रोसेसिंग:** शहर में आधुनिक कचरा प्रबंधन के तहत नवंबर-दिसंबर 2025 में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का संचालन शुरू कराया गया। इसके बाद जनवरी, फरवरी और मार्च 2026 के महज तीन महीनों में लगभग 3.5 लाख टन कचरे की वैज्ञानिक प्रोसेसिंग की गई।
- **डंप साइट्स की मुक्ति और भूमि सुधार:** पुराने कचरे के विशाल ढेरों का निष्पादन कर लगभग 17 एकड़ भूमि को पूरी तरह कचरा मुक्त कराया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला।



- **थ्री-आर (3R) सेंटर्स का अभिनव प्रयोग:** 'रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल' की अवधारणा पर आधारित थ्री-आर सेंटर बनाए गए, जिनमें बुक बैंक, खिलौना बैंक और कपड़ा बैंक जैसी व्यवस्थाओं के जरिए अनुपयोगी वस्तुओं का पुनः उपयोग सुनिश्चित किया गया।
- **मैदानी मॉनिटरिंग और नाइट स्वीपिंग:** व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए निगमायुक्त द्वारा प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से मैदानी निरीक्षण किया गया। इसके अलावा, प्रमुख व्यस्त मार्गों पर रात्रिकालीन सफाई (नाइट स्वीपिंग) को प्रभावी बनाया गया।
- कड़े नियम और प्रवर्तन : सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर निरंतर 'स्पॉट फाइन' की कार्रवाई की गई तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए लगातार जब्ती अभियान चलाए गए।

डुमना में स्वागत और अब 'नंबर वन' की तैयारी

जबलपुर के राष्ट्रीय पटल पर चमकने और दूसरा स्थान हासिल करने के बाद संस्कारधानी लौटने पर महापौर, निगमायुक्तों और सफाई मित्रों का शहर में अभूतपूर्व और जोरदार स्वागत किया गया। नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने फूल-मालाओं से इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने यह पुरस्कार शहर के प्रत्येक देवतुल्य नागरिकों और सफाई मित्रों को समर्पित किया। साथ ही, स्पष्ट किया कि यह सम्मान केवल एक पड़ाव है, और अब जबलपुर का अगला लक्ष्य देश में 'नंबर वन' बनने का है। शहरवासियों और सफाई मित्रों के इस जोश से यह तय है कि संस्कारधानी स्वच्छता के मामले में नए कीर्तिमान गढ़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

धनतेरस पर सबसे ज्यादा जगमगाया शहर, दीवाली को छोड़ा पीछे

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर में बिजली खपत के आंकड़े बताते हैं कि दीवाली से कहीं ज्यादा धन-तेरस के दिन चमक-दमक व सजावट रही। हालाँकि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 11 फीसदी ज्यादा बिजली की रोशनी की रही। मजेदार बात तो यह है कि दीवाली एवं धन-तेरस में की गई सजावट दुर्गोत्सव को पीछे नहीं छोड़ पाई।

पिछले साल के मुकाबले दीपावली पर 17 फीसदी अधिक बिजली खपत, धनतेरस पर पीक लोड 245 मेगावाट रहा, दुर्गोत्सव में सबसे ज्यादा 296 मेगावाट बिजली की मांग



सच कहें तो आंकड़े झूठ नहीं बोलते, यही वजह है कि वे कभी-कभी चौंकाते हैं। मसलन इस बार शहर में बिजली खपत के जो आंकड़े मिले हैं, वे दर्शाते हैं कि धन-तेरस के दिन पीक लोड आवर पर 245 मेगावाट बिजली की खपत हुई। जो इस दीपोत्सव पर सबसे ज्यादा थी। छोटी दीवाली अर्थात रूप-चतुर्दशी के दिन बिजली की खपत घटकर 241 मेगावाट पर आई। इसी प्रकार यह खपत दीवाली के दिन 230 मेगावाट दर्ज हुई, हालाँकि पिछली दीवाली जो 20 अक्टूबर 2025 को थी, तब बिजली की मांग 196 मेगावाट तक ही पहुँची थी। जो पिछले साल से लगभग 17 फीसदी ज्यादा खपत है । उसके पूर्व 2024 में यह खपत 190.3 मेगावाट ही थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि दीवाली की रात दुकानों की सजावट प्रायः खत्म सी हो जाती है, जबकि धन-तेरस के दिन घरों के साथ-साथ दुकानों की साज-सज्जा भी शबाब पर रहती है। जिस कारण दीवाली से कहीं ज्यादा धन-तेरस के दिन ज्यादा मेगावाट बिजली खर्च हुई। वहीं दूसरी ओर नवरात्र के दौरान घर-घर में सजावट भले न हो लेकिन दुर्गा-पंडालों, मंदिरों व सड़कों पर काफी सजावट की जाती है। साथ ही दुकानों पर भी उपभोक्ताओं को लुभाने पर्याप्त साज-सज्जा की जाती है। जिस कारण इस दौरान बिजली की सर्वाधिक खपत 296 मेगावाट (18 अक्टूबर 2026) तक पहुँची थी। प्रदेश स्तर की बिजली खपत पर नजर डाली जाए तो इस दीवाली पर 17 हजार 893 मेगावाट मांग तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष से करीब 43 फीसदी अधिक थी। पिछले वर्ष यह खपत 12 हजार 452 मेगावाट तक पहुँची थी।

दीवाली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये चौक-चौकस प्रबंध

इस दीवाली पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो इसके लिये काफी चौकसी बरती गई। एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी के अनुसार 1278 ट्रांसमिशन लाइनों और 418 अतिरिक्त हाई टेंशन सब-स्टेशनों से सतत विद्युत आपूर्ति की गई, हर सब-स्टेशनों पर रात्रि में निगरानी हेतु कर्मियों को तैनात किया गया था।

पारे में आंशिक गिरावट, मौसम शुष्क रहने की संभावना

किसानों को सलाह,कम पानी वाली फसलों को प्राथमिकता दें



जबलपुर यश भारत। मौसम में किंचित गिरावट के साथ आगे मौसम शुष्क रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताते हुए कहा कि वर्तमान में फसलों की बुबाई में कम पानी वाली फसलें मसूर चना आदि को प्राथमिकता दें तो अच्छा होगा। ठंड को लेकर कहा गया है कि अभी पारे में किंचित गिरावट आई है। लेकिन आने वाले समय ठंड बढ़ने की संभावना है। अतः बदलते मौसम को देखते हुए अपने खान-पान के साथ गर्म कपड़े पहनें। यद्यपि पाकिस्तान के आसपास और उत्तर प्रदेश के ऊपर चक्रवाती विछोभ है। लेकिन मध्य प्रदेश में उसका कोई असर नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को पारा किंचित गिरावट के साथ 12.8 सेल्सियस दर्ज किया गया जो गत दिवस की अपेक्षा.4 कम यानि सामान्य से 3 डिग्री कम रहा। आद्रता 73 फीसदी रही जबकि गत दिवस आद्रता 62.3 रही यानि आद्रता में 10 फीसदी की वृद्धि आंकी गई। बहरहाल मौसम विभाग ने मौसम में बदलाव के चलते लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए किसानों को अतिरिक्त सलाह दी है कि वे सरसों,तुरई की बुबाई के साथ रबी फसल के लिए सहकारी समितियों के माध्यम से खाद उर्वरक आदि का समय रहते इंतजाम कर लें। ताकि फसल का अधिक से अधिक उत्पादन का लाभ अर्जित कर सकें।

टाल में लगी आग, घंटों बाद पाया काबू

आग बुझाने में मशक्कत करना पड़ा दमकल अमले को

कटनी, यशभारत। उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर स्थित आहूजा टाल में आज गुरुवार की सुबह करीब 6 बजे अचानक भीषण आग लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। टाल से उठती आग की ऊंची लपटों और धुएं को देखकर आसपास के रहवासियों में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आग लगने की खबर विधायक संदीप जायसवाल को मिली। उन्होंने तत्काल इसकी खबर नगर निगम के राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक को दी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया और चार दमकल वाहनों को तत्काल मौके पर रवाना किया गया। आग बुझाने में दमकल विभाग को काफी मशक्कत करना पड़ा। सहायक फायर प्रभारी शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल वाहनों द्वारा लगभग 20 फेरे लगाकर पानी की आपूर्ति की गई। फायर अमले द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार पानी की बौछार कर आग पर नियंत्रण पाने के प्रयास किए गए, तब कहीं जाकर आग बुझ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आहूजा टाल में आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर तैनात की गईं। दमकल कर्मियों द्वारा लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोकने और उस पर काबू पाने के प्रयास किए गए। दमकल कर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ आग बुझाने में जुटे रहे। बताया जाता है कि आग की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम के चारों जोन के दमकल वाहनों को मौके पर तैनात कर अग्निशमन कार्य किया गया।



मौके पर पहुंचे अधिकारी

घटना की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों की टीम मौके पर मौजूद रही। घटनास्थल पर उपायुक्त शैलेश गुप्ता, राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक एवं सहायक फायर प्रभारी शैलेन्द्र कुमार दुबे सहित अन्य अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर अग्निशमन कार्य की निगरानी की। नगर निगम का अग्निशमन अमला आग पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए प्रयास करता रहा।

आग लगने के कारणों का पता नहीं

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। वहीं इस अग्निकांड में कितनी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, इसकी भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का वास्तविक आकलन हो सकेगा। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। फिलहाल दमकल विभाग की टीमें आग पर काबू पाने के लिए लगातार जुटी हुई हैं।

निगमायुक्त तपस्या परिहार ने की मॉनीटरिंग

घटना की गंभीरता को देखते हुए नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार स्वयं पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन की लगातार मॉनिटरिंग करती रहीं और पल-पल की स्थिति का अपडेट लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निगमायुक्त के निर्देशन में निगम के चारों जोन के दमकल वाहनों को मोर्चे पर लगाया गया।

अग्निकांड के बाद फूटा जनाक्रोश, बंद रहा बरही

व्यापारियों ने नहीं खोले दुकानों के ताले

दोषी अफसरों की जवाबदेही, एफआईआर और बर्खास्तगी की मांग





बरही/कटनी, यशभारत। दीपावली की रात बरही नगर में हुए हृदयविदारक अग्निकांड में अग्रवाल परिवार के आधा दर्जन सदस्यों की जिंदा जलकर मौत के मामले ने अब जनाक्रोश का रूप ले लिया है। घटना के पांच दिन बीत जाने के बाद भी घटना के लिए दोषी जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कोई ठोस वैधानिक कार्रवाई नहीं होने से नाराज नगरवासियों और व्यापारियों ने आज गुरुवार को बरही बंद का आव्हान किया। बंद के समर्थन में व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठानों के ताले नहीं खोले। होटल से लेकर मेडिकल स्टोर्स तक बंद रहे और पूरा बरही नगर बंद नजर आया। नगरवासियों एवं व्यापारियों में सरकारी व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर गहरी नाराजगी देखी गई। इस दौरान पूरा बरही नगर स्वस्फूर्त बंद रहा। लोगों ने कहा कि घटना के 5 दिन बाद भी प्रशासन जांच के नाम पर पूरे मामले में लीपापोती कर रहा है। जिन अफसरों के विरूद्ध कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें ही जांच का जिम्मा सौंपा गया है। बरही बंद के दौरान 11 बजे नगर के लोग कमानिया गेट में एकत्रित हुए और जिम्मेदार लापरवाह प्रशासनिक अधिकारियों पर जबाबदेही तय करने की पुरजोर मांग कर रहे है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि अग्निकांड के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर सेवा से बर्खास्त करने जैसी कठोर कार्रवाई की जाए। लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासनिक अमला सक्रिय होता और राहत बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए जाते तो छह अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता था। गौरतलब है कि दीपावली की रात बरही नगर के पूरन अग्रवाल के तीन मंजिला दुकान एवं आवासीय भवन में भीषण आग भड़क उठी थी। इस दर्दनाक हादसे में 77 वर्षीय पूरन अग्रवाल, उनकी पत्नी चंद्रकला अग्रवाल, बहू सोनम अग्रवाल, दो माह का मासूम अर्विश, 12 वर्षीय आर्या और 6 वर्षीय अन्वी की मौत हो गई थी।

होटल और मेडिकल स्टोर्स भी रहे बंद

गुरुवार सुबह से ही नगर में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। व्यापारियों ने अपनी दुकानों के शटर नहीं खोले। होटल संचालकों और मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी बंद का समर्थन करते हुए अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों के बंद रहने से भी नगर में बंद का असर साफ दिखाई दिया। छह लोगों की असमय मौत से आहत नगरवासी अब केवल आश्वासनों से संतुष्ट होने को तैयार नहीं हैं। उनकी मांग है कि इस हृदयविदारक हादसे की निष्पक्ष जांच हो। लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों को चिह्नित किया जाए और उनके विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए ठोस कार्रवाई की जाए।

9 घंटे तक जिम्मेदारों की गैर मौजूदगी पर उठे सवाल

हादसे के बाद राहत एवं बचाव कार्य के दौरान करीब नौ घंटे तक स्थानीय एवं जिला स्तर के जिम्मेदार अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार मौके पर बरही थाना के दो कर्मचारी, नगर परिषद के दमकल प्रभारी तीरथ चतुर्वेदी और नगर परिषद अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल के अलावा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी नहीं रही।

20 नवंबर को यूपीएससी की बैठक में तय होंगे नाम, 23 से पहले आ सकता है बड़ा फैसला

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक के चयन को लेकर प्रशासनिक गलियारों में काउंटडाउन शुरू हो गया है। संघ लोक सेवा आयोग ने इस अहम प्रक्रिया के तहत 20 नवंबर को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठकबुलाई है। इस बैठक में प्रदेश के नए पुलिस मुखिया के लिए योग्य नामों पर मंथन किया जाएगा, जिसके बाद तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

बैठक में तय होगी राज्य के अगले मुखिया की तस्वीर

दिल्ली में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासनिक स्तर पर कई दिग्गज शामिल होंगे। इनमें मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय शुक्लाऔर वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाणा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यूपीएससी की मुहर लगने के बाद तैयार होने वाले तीन नामों के पैनल में से ही राज्य सरकार किसी एक अनुभवी चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपेगी। इस चयन प्रक्रिया के समीकरणों में एक अहम बदलाव भी देखने को मिला है। शुरुआती सूची में 12 आईपीएस अधिकारियों के नाम शामिल थे, लेकिन विशेष पुलिस महानिदेशक जी. अखोटे द्वारा अपनी दावेदारी वापस लिए जाने के बाद अब मैदान में 11 वरिष्ठ अधिकारी ही बचे हैं। 20 नवंबर को होने वाली बैठक में इन्हीं 11 अधिकारियों की वरिष्ठता, उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और पात्रता के मानकों पर बारीकी से समीक्षा होगी।

रेस में जिन प्रमुख नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, उनमें:

विशेष पुलिस महानिदेशक उपेंद्र जैन
प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव
वरुण कपूर
पंकज श्रीवास्तव
आदर्श कटियार
सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। हालांकि, अंतिम मुहर यूपीएससी के पैनल पर ही निर्भर करेगी।

अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास इंदिरा भादुड़ी की तबीयत बिगड़ी, भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती

भोपाल, यशभारत। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास और जया बच्चन की माता इंदिरा भादुड़ी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उन्हें एलर्जी की शिकायत है। यह परेशानी उन्हें बीच-बीच में सामने आती है, और स्वास्थ्य अधिक बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। फिलहाल उनकी सेहत में सुधार बताया जा रहा है और डॉक्टर लगातार उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए हैं। अस्पताल से उन्हें कब छुट्टी मिलेगी, इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि स्वास्थ्य में सुधार और रिकवरी के आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि इंदिरा भादुड़ी का परिवार शहर के श्यामला हिल्स स्थित अंसल अपार्टमेंट में रहता है। इससे पहले फरवरी 2020 में अमिताभ बच्चन अपनी सास का 90वां जन्मदिन मनाने भोपाल आए थे।

अनुशासन, समर्पण और परिश्रम से देश का नाम रोशन करेंगे युवा खिलाड़ी- मंत्री उदय प्रताप

खेल केवल जीत-हार नहीं, अनुशासन, संयम और जीवन में सफलता का माध्यम-मंत्री विश्वास सारंग



70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ
देशभर से पहुंचे खिलाड़ियों ने किया मार्चपास्ट
स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के ध्वजारोहण के साथ शुरू हुई प्रतियोगिता

गाडरवारा यशभारत। प्रदेश शासन के खेल युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग तथा परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की मौजूदगी में रूद्र मैदान गाडरवारा में 11 से 17 नवंबर तक आयोजित होने वाली 70 वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता अंडर 19 बालक वर्ग का शुभारंभ बुधवार को हुआ। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट किया। इसके पश्चात स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के ध्वजारोहण के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।

मंत्री श्री सारंग ने कहा गाडरवारा के इस खेल मैदान पर दूसरी बार आने का अवसर मिला है और दोनों ही बार यहां खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से मप्र में स्कूली स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं को बढ़ावा मिल रहा है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में खेल का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। खेल व्यक्ति को अनुशासन, संयम, समर्पण और संघर्ष करना सिखाते हैं। खेलों के माध्यम से व्यक्ति केवल खेल के मैदान में ही नहीं, बल्कि जीवन के मैदान में भी सफलता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने खेल भावना का महत्व बताते हुए कहा कि क्रिकेट में गेंदबाज और बल्लेबाज मैदान पर एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी होते हैं, लेकिन खेल समाप्त होने के बाद वही खिलाड़ी आपस में मित्रवत व्यवहार करते हैं। यही वास्तविक खेल भावना है। यह भावना केवल खेल के मैदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि जीवन में भी इसे अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश है कि खेलोगे तो खिलोगे और देश को फिट बनाना है तो नागरिकों का फिट होना आवश्यक है। इसके लिए युवाओं को खेलों से जोड़ना और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मप्र सरकार खेलों, खिलाड़ियों और खेल अधोसंरचना के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि तीन वर्ष पहले राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में मप्र की स्थिति 16वें,17वें स्थान के आसपास थी, लेकिन पिछले दो वर्षों से प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर पहुंचा है। यह खेलों के विकास और खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में खेल परिसर विकसित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में मप्र खेल अधोसंरचना के मामले में देश का अग्रणी राज्य बन सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 11 आवासीय खेल अकादमियां संचालित हैं, जिनमें 18 खेलों के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन अकादमियों का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करती है। उन्होंने कहा कि मंत्री उदय प्रताप सिंह अपने क्षेत्र में इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। उपलब्ध संसाधनों के अतिरिक्त व्यवस्थाओं का विस्तार कर प्रतियोगिता को बेहतर स्तर पर आयोजित किया जा रहा है।

मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी है कि राष्ट्रीय अंडर19 क्रिकेट प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यहां खिलाड़ियों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन, अच्छी आवास व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे आनंदपूर्वक प्रतियोगिता में भाग ले सकें और 17 नवंबर तक यह आयोजन निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन में प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, विभिन्न विभागों, नगर पालिका परिषद, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी मिलकर यह सुनिश्चित करें कि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मंत्री श्री सारंग ने जिस भी विभाग की जिम्मेदारी संभाली है, वहां पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य किया है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आज प्रदेश के खिलाड़ियों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी बढ़ रही है। पहले खेलों के क्षेत्र में हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्य आगे माने जाते थे, लेकिन अब मध्यप्रदेश भी अपनी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर देने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश है कि खेलो इंडिया जीतो इंडिया। जीवन में परिश्रम के बिना परिणाम प्राप्त नहीं किया जा सकता। समर्पण और अनुशासन सफलता के लिए सबसे आवश्यक गुण हैं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ी अपने-अपने राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। देशभर के करोड़ों विद्यार्थियों में से चयनित होकर यहां पहुंचे इन खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से यह स्थान हासिल किया है। मंत्री श्री सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि इन्हीं खिलाड़ियों में से कोई भविष्य में सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग जैसे महान क्रिकेटरों की तरह देश का नाम रोशन करेगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि गाडरवारा के लिए यह गौरव का विषय है कि राष्ट्रीय स्तर की अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में आयोजित प्रतियोगिताओं में स्थानीय नागरिकों और प्रशासन ने सराहनीय भूमिका निभाई है। इस बार भी सभी से अपेक्षा है कि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ खिलाड़ियों, उनके प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ की सुविधाओं का ध्यान रखें। मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारों की सकारात्मक खबरें खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करती हैं।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि गाडरवारा की इस पावन धरा पर देश के विभिन्न राज्यों से टीमें आई है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंडर 19 क्रिकेट में भारतीय युवाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों की सफलता का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से क्षेत्र की बेटी सुनीता सराथे एवं क्रिकेट खिलाड़ी क्रांति गौड़ की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किया गया है। वहीं वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी क्रिकेट को स्थान मिला है। यह भारतीय क्रिकेट और देश के युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि है।

अतिथियों द्वारा स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के दलों ने काबरा मेमोरियल स्कूल के बैंड दल की अगुवाई में आकर्षक मार्चपास्ट किया। इस दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। इसके पश्चात क्रेयॉन स्कूल एवं काबरा मेमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रतियोगिता के आयोजन एवं व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी दी। देवांश तिवारी ने उपस्थित खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन बनाए रखने की शपथ दिलाई। मंत्री श्री विश्वास सारंग ने प्रतियोगिता के शुभारंभ की औपचारिक घोषणा की। कार्यक्रम के अंत में राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति काकोड़िया, पूर्व विधायक नरेश पाठक, नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, नगर परिषद साईंखेड़ा अध्यक्ष श्रीमती स्वाति अग्रवाल, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डा. ऋषिकेश मीणा, राजेंद्र साहू, ममता पांडे, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश कौरव एवं ऋचा स्थापक, मुकेश मरैया, डॉ. हरगोविंद पटेल, ठाकुर राजीव सिंह, नंदकिशोर ठाकुर, प्रियंक जैन, राव संदीप सिंह एवं चंद्रकांत शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण घनश्याम सोनी, एसडीएम प्रगति वर्मा, बीईओ सीमा डोंगरे, वीरेंद्र राजपूत, बीआरसी डीके पटेल, संदीप स्थापक सहित शिक्षा विभाग, गणमान्य नागरिक, पत्रकार, अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी, कोच उपस्थित रहे। कार्यक्रम का

70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के मुकाबलों का रोमांच शुरू

गाडरवारा यशभारत। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में तथा प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से आयोजित 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के मुकाबलों का रोमांच बुधवार से शुरू हो गया। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न राज्यों एवं शैक्षणिक संगठनों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्र के छह खेल मैदानों पर मैचों का आयोजन किया गया। पहले दिन जनपद पंचायत मैदान चीचली, एनटीपीसी खेल मैदान, वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी खेल मैदान आमगांव छोटा, ग्राम कोंडिया खेल मैदान तथा शासकीय राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान बोहानी में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एनटीपीसी खेल मैदान पर तमिलनाडु एवं दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव डीएनएचडीडी की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया। डीएनएचडीडी की टीम ने 20 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 122 रन बनाए। तमिलनाडु की टीम ने सबरीस की 12 गेंदों में 24 रनों की तेजतर्रार पारी की मदद से 11वें ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 6 विकेट से जीत दर्ज की। शासकीय राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान बोहानी में बिहार और छत्तीसगढ़ के बीच मुकाबला हुआ। बिहार ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए। बिहार की ओर से हरिओम ने 41 गेंदों में 43 तथा उत्कर्ष ने 23 गेंदों में 31 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। छत्तीसगढ़ की ओर से आलोक जना ने 27 रन देकर 3 विकेट और मनजीत ने 22 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम प्लेयर ऑफद मैच कुमार शान की शानदार गेंदबाजी के सामने टिक नहीं सकी। कुमार शान ने 5 विकेट लेकर छत्तीसगढ़ की पारी को 18वें ओवर में 90 रनों पर समेट दिया। बिहार ने यह मुकाबला 62 रनों से जीत लिया। जनपद पंचायत मैदान चीचली में नवोदय विद्यालय समिति एनवीएस और इंटरनेशनल बोर्ड स्कूल स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन आईबीएसओ के बीच मुकाबला खेला गया। एनवीएस की टीम ने संजीव कुमार के 68 और दिनेश ठाकुर के 44 रनों की पारियों की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 160 रन बनाए। जवाब में आईबीएसओ की टीम 17वें ओवर में 124 रनों पर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार एनवीएस ने 36 रनों से जीत दर्ज की। ग्राम कोंडिया के खेल मैदान पर उत्तराखंड और काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन सीआईएससीई के बीच मुकाबला खेला गया। उत्तराखंड की टीम ने प्लेयर ऑफद मैच उत्कर्ष शर्मा के 62 और अर्श के 39 रनों की शानदार पारियों की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 237 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। सीआईएससीई की टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 113 रन ही बना सकी। उत्तराखंड ने 124 रनों से शानदार जीत दर्ज की। वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी खेल मैदान आमगांव छोटा में खेले गए पहले मुकाबले में जम्मू कश्मीर की टीम ने आंध्रप्रदेश को 116 रनों से पराजित किया। इसी मैदान पर खेले गए दूसरे मुकाबले में केरल ने हरियाणा को 8 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केरल की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 11वें ओवर में ही 2 विकेट खोकर 171 रन बना लिए और शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में श्रवणचंद को प्लेयर ऑफद मैच



औषधि संयोजक, लैब टेक्नीशियन नहीं, करकबेल स्वास्थ्य केन्द्र में, मरीजों की परेशानी बढ़ी



गोटेगांव यशभारत। मप्र सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बड़े-बड़े दावे और वादे तो करती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। करकबेल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में औषधि संयोजक के सेवानिवृत्त होने के बाद भी उस पद पर नई नियुक्ति नहीं की गई है। वहीं लैब टेक्नीशियन की नियुक्ति होने के बाद भी मरीज निजी पैथोलॉजी दुकानों में खून की जांच कराने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि जब लैब टेक्नीशियन की नियुक्ति है, तो उसे यहां-वहां के अस्पतालों में ड्यूटी पर लगाने की जरूरत क्या है। करकबेल सहित आसपास के ग्रामीणों ने मांग की है कि औषधि संयोजक का पद शीघ्र भरा जाए, वहीं लैब टेक्नीशियन की स्थाई व्यवस्था की जाए। लैब टेक्नीशियन और औषधि संयोजक के बिना सरकारी अस्पताल करकबेल खुद बीमार हो रहा है, लेकिन सरकार, जनप्रतिनिधि और उच्च विभाग मौन हैं। इन दोनों पदों के रिक्त होने से आम नागरिक सहित मरीजों का हाल बेहाल है। करकबेल तहसील गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम करकबेल परिक्षेत्र से जुड़े असंख्य ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य के साथ फिलहाल सरकारी अस्पताल में खिलवाड़ ही किया जा रहा है। आज के युग की जरूरत के हिसाब से तो सरकारी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन और औषधि संयोजक के बिना अस्पताल की कल्पना भी नहीं की जा सकती, लेकिन करकबेल बौछार में स्थापित सरकारी अस्पताल में यह सब हो रहा है। करकबेल परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बौछार, बासनपानी, सूरवारी, गुंदरई, मेख, बिछुआ, मानेगांव, मुंगली, देवरी, बम्हनी, ठेमी, नन्हेगांव, लुहारी, बरगी, बेलखेड़ा, मल्हौआ, करैईया, कापखेड़ा, टपरियां सहित दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों का एकमात्र सहारा सरकारी अस्पताल करकबेल है, जहां स्वास्थ्य परीक्षण का बुरा हाल हो रहा है। उक्त अस्पताल में लापरवाही तथा कर्मचारियों द्वारा मनमानी तरीके से नौकरी करना आम मरीजों के लिए भारी सिरदर्द जैसा माहौल बना हुआ है। शासन, प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों से परिक्षेत्र की जनता विनम्र निवेदन कर रही है कि उक्त सरकारी अस्पताल करकबेल में उक्त रिक्त पदों को स्थाई रूप से भरकर व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित किया जाए।

ग्रामवासियों ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ थाने में दिया ज्ञापन



गोटेगांव यशभारत। समीपवर्ती ग्राम सिमरिया के समस्त ग्रामवासियों ने पुलिस थाना गोटेगांव पहुंचकर एसडीओपी व थाना प्रभारी के नाम का एक ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने और आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन में ग्रामवासियों व महिलाओं ने आरोप लगाया है कि गांव में चंदन पटेल अपने घर से विजय पटेल सिमरिया रेलवे फाटक से एवं राकेश चढ़ार अपने घर से अवैध रूप से शराब का विक्रय कर रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि उसी रास्ते से महिलाएं आती-जाती हैं व जहां से बच्चे स्कूल आते-जाते हैं। आरोप है कि शराब पीकर लोग छेड़छाड़ करते हैं और गाली गलौज करते हैं। साथ ही घर में रखा सामान बेच कर शराब पीने की बात भी आवेदन में कही गई है।

आवेदन के अनुसार बीते दिनों रात लगभग 8 बजे गांव की महिलाएं शराब पकड़ने के लिए सिमरिया फाटक पर दुकान पर गई, तो आरोप है कि अनावेदक गण ने अपनी दुकान में आग लगा दी और वहां से चले गए। ग्रामीणों ने बताया कि महिलाओं ने जब दुकान में आग लगने की सूचना डायल 112 पुलिस को दी, तब पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने छापा मारा तो दारू पकड़ी गई। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि जो लोग शराब विक्रय से रोकते हैं, उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले भी कई बार अवैध शराब की शिकायत की गई है, परंतु सिर्फ आश्वासन दिया जाता है, कोई कार्यवाही नहीं की जाती। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र अतिशीघ्र शराब विक्रय पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो समस्त ग्रामवासी तीव्र आंदोलन करेंगे, जिसकी संपूर्ण

झोतेश्वर मार्ग पर रेलवे पुल के नीचे जानलेवा गड्ढा, श्रद्धालुओं के लिए बना खतरा



गोटेगांव यशभारत। गोटेगांव से झोतेश्वर जाने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित रेलवे पुल के पास बना भारी भरकम गड्ढा अब जानलेवा साबित हो रहा है। इस मार्ग से रोजाना हजारों श्रद्धालु और राहगीर गुजरते हैं, लेकिन गड्ढे के कारण यहां आए दिन छुटपुट दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह मार्ग केवल आम रास्ता नहीं बल्कि धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इसी मार्ग से मां राजराजेश्वरी मैया जी का मंदिर, ब्रह्मलीन जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज जी की तपोस्थली और श्री श्री बाबा श्री सत्य सरोवर धाम जाने वाले श्रद्धालु आते जाते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि रेलवे पुल के नीचे सड़क पर गहरा गड्ढा बन गया है। बारिश में यह गड्ढा पानी से भर जाता है और दोपहिया वाहन चालक इसे देख नहीं पाते, जिससे गिरकर चोटिल हो रहे हैं। श्रद्धालुओं को भी यहां से गुजरने में काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। आम नागरिकों ने संबंधित विभाग और अधिकारियों से मांग की है कि इस जानलेवा गड्ढे को जल्द से जल्द भरवाकर सड़क को दुरुस्त किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन मिल सके। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस

भाईदूज पर चित्रगुप्त पूजन



करेली यशभारत। दीपावली के दूसरे दिन भाईदूज पर्व पर यम द्वितीया के पावन अवसर पर कायस्थ समाज के आराध्य एवं कुल प्रवर्तक भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज का पूजन समारोह श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर चित्रांश प्रदीप खासकलम एवं विवेक खासकलम के निवास पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। समाज के श्रद्धालुओं ने भगवान चित्रगुप्त जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन.अर्चन किया तथा समाज की सुख.समृद्धिए खुशहाली एवं कल्याण की कामना की। पूजन उपरांत यज्ञ हवन संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलम दवात एवं प्रसादी भेंट की परंपरा भी निभाई गई। कार्यक्रम में कायस्थ समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं महिलाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। आयोजकों ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक रूप से प्रसादी ग्रहण की। कायस्थ समाज अध्यक्ष माधव श्रीवास्तव ने मन्दिर निर्माण व सामाजिक

बेलखेड़ी शेढ में भाईदूज पर्व पर मढ़ई मेले का हुआ आयोजन





नरसिंहपुर यशभारत। गोटेगांव विधानसभा के ग्राम बेलखेड़ी शेढ़ में भाई दूज पर्व के अवसर पर मढ़ई मेले का आयोजन किया गया। जिसमें जिला कांग्रेस नरसिंहपुर की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल उपस्थित हुईं। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम के होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया, जिन्होंने कक्षा 5वीं, 8वीं और 10वीं में ग्राम में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं। साथ ही प्रतियोगिता में सम्मिलित समस्त ग्वालों को भी सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में नरसिंहपुर विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता लाखन पटेल, जिला पंचायत की पूर्व सदस्य श्रीमती मीना शाह, जिला पंचायत सदस्य एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद पटेल, ब्लॉक कांग्रेस चीचली के गिरजाशंकर पगुआ, हजारी लाल ममार, जिला युवा कांग्रेस महासचिव भूपेंद्र कौरव एवं क्षेत्र के गणमान्य जन तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इसके पश्चात जिला अध्यक्ष ने जनसंपर्क के तहत खानापुर में प्रदीप पटेल के निवास, ग्राम बेदू बरहेटा में पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीना शाह के निवास ग्राम गाडरवारा खेड़ा में राय परिवार में,

ब्रह्माकुमारीज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली महोत्सव



करेली यशभारत। ब्रह्माकुमारीज प्रभु उपहार भवन में दीपावली महोत्सव उमंग, उत्साह एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नरसिंहपुर जिला संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही करेली सेवा केंद्र की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरोज दीदी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्माकुमारी कुसुम दीदी, सरोज दीदी, श्रीराधा-कृष्ण, श्रीराम लक्ष्मण एवं मुख्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप जलाकर कर किया गया। इस अवसर पर सभी ने आकर्षक रूप से सजाए गए दीप जलाकर कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। सेवा केंद्र परिसर में सुंदर एवं मनमोहक रंगोली सजाई गई थी, जिसने उत्सव की सुंदरता को और बढ़ा दिया। दीपों की जगमगाहट और रंगोली की आकर्षक छटा से पूरा परिसर उत्सवमय नजर आया। इस अवसर पर केक काटकर भी दीपावली की खुशियां मनाई गईं। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा स्वागत गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई। वहीं दीपावली गीत पर दी गई आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। श्री राधा कृष्ण एवं श्रीराम लक्ष्मण के सुंदर और मनोहारी स्वरूप कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहे। सभी के साथ दीपावली की खुशियां मनाते उनके स्वरूप ने उपस्थित भाई-बहनों एवं अतिथियों को आनंदित कर दिया। इस अवसर पर कुसुम दीदी ने दीपावली के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीपावली केवल बाहरी दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि अपने अंतर्मन में ज्ञान, पवित्रता, प्रेम और शांति का दीप प्रज्वलित करने का संदेश देती है। जब हम अपने जीवन से विकारों रूपी अंधकार को दूर कर श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाते हैं, तभी सच्चे अर्थों में जीवन में दीपावली आती है। वहीं सरोज दीदी ने सभी को दीपावली को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में खुशियों के दीप जलाने के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी प्रेम, सहयोग और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित भाई-बहनों एवं अतिथियों को प्रभु प्रसाद के साथ ईश्वरीय वरदान एवं सौगात भेंट की गई। सभी ने बड़े ही उमंग, उत्साह और आध्यात्मिक आनंद के साथ दीपावली महोत्सव का आनंद लिया। प्रभु उपहार भवन में आयोजित यह दीपावली महोत्सव आध्यात्मिकता, संस्कृति, प्रेम और आपसी स्नेह का सुंदर संगम बनकर सभी के लिए

पेंशनर समाज का दीपावली मिलन समारोह 14 को

गोटेगांव यशभारत। मध्य प्रदेश पेंशनर समाज तहसील शाखा गोटेगांव द्वारा आगामी 14 नवंबर दिन शनिवार को दोपहर 2 बजे से मध्य प्रदेश पेंशनर कार्यालय बेलहाई में दीपावली मिलन समारोह एवं मासिक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें तहसील गोटेगांव क्षेत्र में निवासरत सभी पेंशनर साथियों को आमंत्रित किया गया है। तहसील अध्यक्ष भगवान दास साहू ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां लक्ष्मी, भक्त हनुमान का पूजन, आरती एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। साथ ही नवीन सेवा निवृत्त शासकीय कर्मचारी पेंशनरों का स्वागत सम्मान किया जाएगा एवं उपस्थित सभी पेंशनर साथियों का तिलक, रोली, माला से स्वागत किया जाएगा। बैठक में चतुर्थ क्रमोन्नति वेतनमान पर विशेष चर्चा की जाएगी। साथ ही माह नवंबर में जमा किए जाने वाले जीवन प्रमाण पत्र एवं भारतीय स्टेट बैंक में पेंशनर साथियों के खाते पर भी चर्चा की जाएगी। अतः सभी पेंशनर साथियों से उपस्थित होने की अपील कोषाध्यक्ष रमेश पाठक, जिला उपाध्यक्ष हरनारायण तिवारी, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती प्रभा दुबे ने

वनवासी विकास परिषद ने किया गौमाता का पूजन



करेली यशभारत। वनवासी विकास परिषद नरसिंहपुर द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी गौमाता पूजन कार्यक्रम का आयोजन करेली के पीरा मोहल्ला स्थित राजेंद्र पटेल के निवास पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में गौमाता का विधि-विधान से पूजनए आरती एवं भोग अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्य प्रवक्ता के रूप में परिषद के वरिष्ठ सदस्य डालचंद सनेडिया ने गौमाता के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गौपूजन सनातन धर्म की अमूल्य धरोहर है। सनातन परंपरा में गौए गंगा, गीता, गायत्री, गुरु और गणेश का विशेष महत्व है। गौमाता में 33 कोटि देवी - देवताओं का वास माना गया है। गौमाता की सेवा एवं पूजन से मानव जीवन में धर्म, संस्कार और सकारात्मकता का संचार होता है। उन्होंने कहा कि गंगा पवित्रता, गीता जीवन का ज्ञानए गायत्री साधना और गुरु अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने वाले मार्गदर्शक हैं। गौमाता की सेवा इन सभी आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ने का माध्यम है। इस अवसर पर गौपालक राजेंद्र पटेल ने भी अपने अनुभव साझा किए।

अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी मजबूत हुई : इरफान पठान





मुम्बई (यशभारत)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आने से मुम्बई इंडियंस टीम और भी मजबूत हो गयी है। अर्शदीप ट्रेड डील में हार्दिक पांड्या के पंजाब में जाने से बदले में मुम्बई इंडियंस को मिले हैं। इस ट्रेड डील के बाद से क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। इसी को लेकर पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का और भी प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने का अवसर मुम्बई को मिलेगा, साथ ही टीम के विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।

इरफान पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में जबरदस्त गहराई आयी है। साथ ही कहा कि टीम के पास अब बुमराह के अलावा दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी गेंदबाज हो गये हैं। ये सभी गेंदबाज पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालने की क्षमता भी रखते हैं। इसके अतिरिक्त टीम के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार का विकल्प भी उपलब्ध है, जिन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए अपने 10 मुकाबलों में 17 विकेट हासिल किए हैं, जिससे शुरुआती ओवरों में कप्तान के पास कई विकल्प होंगे। वहीं डेथ ओवरों की बात करें तो, मुंबई इंडियंस के लिए अर्शदीप और बुमराह मिलकर विरोधी बल्लेबाजी को धवस्त कर सकते हैं। ये दोनों ही गेंदबाज दबाव की परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करने और महत्वपूर्ण समय पर विकेट निकालने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में मुंबई के पास पारी के दो अहम चरणोंङ्क पावरप्ले और डेथ ओवर में विकेट लेने वाले कई मजबूत विकल्प होंगे। यह कप्तान को गेंदबाजी में रणनीति बनाने की अधिक आजादी देने के साथ ही प्रयोगों में लचीलापन रखने की अनुमति देंगे। कुल मिलाकर, देखा जाये तो अर्शदीप के आने के बाद मुंबई टीम का गेंदबाजी संयोजन काफी मजबूत नजर आ रहा है, जो आईपीएल 2027 में विपक्षी टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने और अर्शदीप के मुंबई में आने से दोनों टीमों की किस्मत पर क्या असर पड़ता है।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है।

हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबॉल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा। आर्यवीर का मानना है कि वे हर गेंद पर छक्का मारने की बजाय, पहले विकेट पर टिकने और फिर एक बड़ी पारी खेलने पर ध्यान





केंद्रित करते हैं। उन्हें अपने सरनेम सहवाग पर गर्व है और यह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वहीं, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी अपनी क्रिकेट प्रतिभा को निखारने में लगे हैं। उन्होंने एशियन यूथ गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 67 गेंदों पर 87 रनों की प्रभावी पारी खेली थी। अन्वय कर्नाटक की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों के लिए भी खेल चुके हैं और नियमित रूप से विकेटकीपिंग का अभ्यास करते हैं, जो उनके पिता राहुल द्रविड़ की तरह बहुमुखी प्रतिभा का संकेत है, जिन्होंने 2003 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली थी। अन्वय को बल्लेबाजी की तकनीकी बारीकियां समझने में अपने पिता से मूल्यवान मार्गदर्शन मिलता है। हालांकि, यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही के मैचों में वे लंबी पारी नहीं खेल सके, लेकिन क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी युवा खिलाड़ी का भविष्य कुछेक मैचों के प्रदर्शन से नहीं आँका जा सकता।

भारतीय क्रिकेट को इन दोनों युवाओं से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि केवल किसी महान खिलाड़ी का बेटा होना सफलता की गारंटी नहीं होता। इसके लिए निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन, ठोस तकनीक, अच्छी फिटनेस और मानसिक मजबूती अनिवार्य है। एक तरफ आर्यवीर में सहवाग जैसी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक देखने की उम्मीद की जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्वय में राहुल द्रविड़ की तरह तकनीकी रूप से मजबूत और धैर्यवान क्रिकेटर बनने की संभावनाएं दिखाई देती हैं। अभी इनके करियर की शुरुआत है, और इन्हें अनावश्यक दबाव के बिना आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी विशिष्ट प्रतिभा से भारतीय क्रिकेट में एक अलग और यादगार मुकाम हासिल कर सकें।

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी

मुम्बई (यशभारत)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं।



मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी ऑक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा। हार्दिक का मुंबई इंडियंस के साथ एक लंबा और सफल सफर समाप्त हो गया है। उन्होंने 2015 में मुंबई के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और एक युवा खिलाड़ी से दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। उन्होंने मुंबई को चार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रेड डील के तहत, हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स में चले गये हैं। अब सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं कि आईपीएल 2027 में कौन सा खिलाड़ी पांच बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेगा। यह एक ऐसा निर्णय है जो टीम के आगामी प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव डालेगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है। , जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है।

कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

निर्वाचक मंडल में शामिल 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों को पांच दिसंबर के चुनाव के लिए एक पुरुष और एक महिला प्रतिनिधि नामित करना होगा।

रंग संसार

गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की है कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्स-एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतना-द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आईं। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं।

इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।

ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए: सोना महापात्रा

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था ङ्क तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है।





गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर

मुंबई (यशभारत)। निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी

रहमान की संगीत प्रतिभा की घई ने की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने संगीतकार ए. आर. रहमान के भारतीय संगीत उद्योग में अतुलनीय योगदान किया और उन्हें संगीत का वरदान बताया है। सोशल मीडिया पर घई ने रहमान के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने रहमान की असाधारण संगीत प्रतिभा और किसी भी संस्कृति या शैली के अनुसार खुद को ढाल लेने की क्षमता की खूब सराहना की।

रहमान को घई ने हमारे ब्रह्मांड से मिली एक वरदान जैसी प्रतिभा कहकर संबोधित किया। इस दौरान सुभाष घई ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म ताल के लिए रहमान से संपर्क करने का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार 1999 की इस फिल्म के लिए रहमान को संगीत का प्रस्ताव दिया तो वे काफी घबराए हुए थे। तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें यह आशंका थी कि रहमान शायद हिंदी फिल्मों के संगीत से उतना वाकिफ न हों या हिंदी गानों



के लिए वे कितने सहज होंगे। हालांकि, उनकी चिंता तब थोड़ी दूर हुई जब रहमान ने उन्हें बताया कि उन्होंने कभी उनकी ही फिल्म हीरो के लिए बांसुरी बजाई थी। इस जानकारी से घई को राहत मिली और उन्हें विश्वास हो गया कि रहमान भारतीय संगीत की बारीकियों से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभाष घई ने इस बात पर जोर दिया कि ए. आर. रहमान ने लगान, रंग दे बसंती और रॉकस्टार जैसी फिल्मों के माध्यम से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को पूरी तरह से बदल दिया। उनकी अद्वितीय संगीत रचनाओं ने हिंदी सिनेमा को एक नई दिशा दी और श्रोताओं को एक बिल्कुल नया अनुभव प्रदान किया।

उन्होंने यह भी बताया कि रहमान ने अपने हिंदी गाने जय हो के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार भी जीता, जिससे भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर पहचान मिली। घई के अनुसार, ए. आर. रहमान में किसी भी देश और किसी भी संस्कृति की किसी भी आवाज़ को सीखकर उसे संगीत में बदल देने की अद्भुत क्षमता है। वे हर तरह की फिल्म और हर जगह के हर निर्देशक के साथ सफलतापूर्वक काम करते हैं।

दीपावली पर्व के बाद मढ़ई मेलों का सिलसिला शुरू

राजराजेश्वरी वार्ड में सजी मढ़ई, ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे अहीरों ने पारंपरिक नृत्य से बांधा समां



मंडला, यशभारत। दीपावली पर्व के समापन के साथ ही मंडला जिले में पारंपरिक मढ़ई मेलों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। जिले में मढ़ई मेलों की शुरुआत भाई दूज के अवसर पर शहर के राजराजेश्वरी वार्ड क्रमांक 1 से हुई। यहां प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी मढ़ई का आयोजन किया गया। मढ़ई के आयोजन के साथ ही शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

राजराजेश्वरी वार्ड में सजी जिले की पहली मढ़ई

मंडला जिले में मढ़ई केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोक संस्कृति, परंपरा और सामाजिक मेल-मिलाप का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दीपावली के बाद मढ़ई मेलों का आयोजन शुरू होने से ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। भाई दूज के दिन राजराजेश्वरी वार्ड क्रमांक 1 में सजी मढ़ई ने इस पारंपरिक आयोजन का आगाज कर दिया। रहवासी क्षेत्र के बीचों-बीच सजी मढ़ई में दुकानों, पारंपरिक साज-सज्जा और मेले की रौनक देखने को मिली। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग इस आयोजन में शामिल होने पहुंचे।

अहीरों ने निभाई मढ़ई ब्याहने की परंपरा

मढ़ई आयोजन का सबसे आकर्षक और पारंपरिक पहलू ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले अहीर समुदाय के लोगों की सहभागिता रही। शहर के आसपास के गांवों से अहीर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मढ़ई ब्याहने पहुंचे। अहीरों द्वारा मढ़ई ब्याहने की यह परंपरा क्षेत्र की लोक संस्कृति और पुरानी सामाजिक मान्यताओं से जुड़ी हुई है। इस दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजे अहीरों की टोलियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य ने बांधा समां

रंग-बिरंगी पारंपरिक पोशाकों और लोक संस्कृति की झलक के साथ पहुंचे अहीरों ने मढ़ई स्थल पर पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया। ढोल-मांदल एवं अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर थिरकते नर्तकों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। नृत्य के दौरान उनकी सामूहिक लय, पारंपरिक अंदाज और उत्साह देखते ही बनता था। ग्रामीण अंचलों से आए इन लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से मंडला की समृद्ध लोक सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया। मढ़ई ब्याहने की रस्म और पारंपरिक नृत्य को देखने के लिए स्थानीय नागरिकों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया।

लोक संस्कृति और परंपराओं का जीवंत स्वरूप है मढ़ई

मंडला जिले में मढ़ई मेलों का विशेष सांस्कृतिक महत्व है। इन आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की लोक परंपराएं, रीति-रिवाज, पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य नई पीढ़ी तक पहुंचते हैं। मढ़ई मेलों में ग्रामीणों को आपस में मिलने-जुलने और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर भी मिलता है। आधुनिक जीवनशैली के बीच भी अहीरों द्वारा मढ़ई ब्याहने और पारंपरिक नृत्य की परंपरा का निर्वहन क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को बनाए हुए है। राजराजेश्वरी वार्ड में सजी जिले की पहली मढ़ई ने आगामी दिनों में लगने वाले मेलों के लिए उत्साह का माहौल तैयार कर दिया है।



हाईवे कार भिड़ंत हादसे में घायल बुजुर्ग की मौत

मेढ़ाताल में स्कॉर्पियो-क्रेटा की टक्कर में घायल हुए थे, जबलपुर मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ा

मंडला, यशभारत। मंडला-रायपुर नेशनल हाईवे-30 पर अंजनिया के पास मेढ़ाताल में सोमवार को हुए सड़क हादसे में घायल 65 वर्षीय बुद्धेश्वर की मंगलवार को मौत हो गई। उन्होंने जबलपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल बाकी लोगों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सोमवार शाम करीब 4 बजे मेढ़ाताल के पास स्कॉर्पियो और क्रेटा कार की आमने-सामने टक्कर हुई थी। हादसे में दोनों गाड़ियों में सवार आठ लोग घायल हुए थे। हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया था। इसमें क्रेटा कार ट्राले के पीछे से आती दिखती है और सामने से आ रही स्कॉर्पियो से टकरा जाती है। स्कॉर्पियो में मंडला के वरिष्ठ भाजपा नेता रोचिराम गुरवानी के बेटे मनोज गुरवानी, उनकी पत्नी और दो बेटे सवार थे। वहीं, क्रेटा में रायपुर का सिन्हा परिवार वृंदावन जा रहा था। इसमें बुद्धेश्वर, उनकी पत्नी शकुंतला, निधि और नंदकिशोर सवार थे। हादसे में बुद्धेश्वर और उनकी पत्नी शकुंतला की हालत गंभीर थी। दोनों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। हादसे के समय एसपी राजेश रघुवंशी बिछिया से मंडला लौट रहे थे। उन्होंने हादसा देखकर अपना वाहन रुकवाया और घायलों की मदद की। कुछ घायलों को अपने वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया। एसपी ने बताया कि सोमवार शाम दो गाड़ियों की टक्कर में सात से अधिक लोग घायल हुए थे। सभी को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया। बुद्धेश्वर की मंगलवार को जबलपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। बाकी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

एक महीने से रेलिंग गायब, रेवा पथ पर हादसे का खतरा



15 अक्टूबर तक लग जाती थी रेलिंग, नवंबर का दूसरा सप्ताह शुरू होने पर भी पुल असुरक्षित

मंडला, यशभारत। मंडला के छोटे पुल (रपटा), जिसे रेवा पथ भी कहा जाता है, से रेलिंग हटाए एक महीने से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन अब तक दोबारा नहीं लगाई गई है। इससे पुल से गुजरने वालों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सुबह और शाम यहां बड़ी संख्या में लोग टहलने आते हैं। इनमें बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा शामिल हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बारिश के मौसम में जलस्तर बढ़ने की आशंका के चलते हर साल पुल से रेलिंग हटाई जाती है। बारिश खत्म होने के बाद आमतौर पर 15 अक्टूबर तक रेलिंग फिर लगा दी जाती थी। लेकिन इस बार नवंबर का दूसरा सप्ताह शुरू होने के बाद भी रेलिंग नहीं लगाई गई है। पुल की स्थिति सिर्फ रेलिंग तक सीमित नहीं है। दोनों ओर बने स्वागत द्वार ढह चुके हैं। वहीं, सड़क के कई हिस्सों से डामर उखड़ गया है। इससे पुल से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर रोज बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। सुबह-शाम टहलने वालों की भी भीड़ रहती है। ऐसे में रेलिंग नहीं होने से जरा सी चूक हादसे का कारण बन सकती है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। लोगों ने पुल पर जल्द रेलिंग लगाने, सड़क की मरम्मत कराने और क्षतिग्रस्त स्वागत द्वारों को ठीक कराने की मांग की है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि शाम के समय अंधेरा होने पर पुल से गुजरना और भी जोखिम भरा हो जाता है। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए रेलिंग का अभाव चिंता का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को समय रहते सुरक्षा के इंतजाम करने चाहिए। यदि जल्द ही रेलिंग नहीं लगाई गई तो कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है।

सड़क हादसा: बकोरी घाट में बाइक और कार की सीधी टक्कर



मंडला, यशभारत। कोतवाली थाना क्षेत्र के बकोरी घाट में एक नेक्सॉन कार (जिस पर मप्र शासन का स्टिकर लगा था) और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में उत्पादन वन मंडल के रेंज अधिकारी दिलीप ऊके और कूप गार्ड हरिकृष्ण राय गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों वनकर्मी कटाई कार्य का निरीक्षण कर मंडला लौट रहे थे हादसे में दिलीप ऊके के सिर में चोट आई है और पैर की हड्डी टूटने की आशंका है। वहीं, हरिकृष्ण राय के पैर की दो हड्डियां टूटने की आशंका है स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को मंडला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस को सूचना दे दी गई है।

न डंडा, न जुर्माना... बस प्यार से समझाना एसपी का 'फूल और हेलमेट' फॉर्मूला

एसपी आनंद कलादगि की पहल, किल्लाई नाका पर दमोह पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान



दमोह। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज दमोह के किल्लाई नाका पर दमोह पुलिस द्वारा विशेष हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगि ने बाइक चालकों को हेलमेट वितरित किए और उन्हें दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने की समझाइश दी। वहीं, जो बाइक चालक हेलमेट लगाकर यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चला रहे थे, उनका पुलिस अधीक्षक ने पुष्पगुच्छ देकर अभिवादन किया।एसपी ने कहा कि सड़क पर चलते समय अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं उठाना जरूरी है। हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि दुर्घटना के समय जीवन बचाने वाला सुरक्षा कवच है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय स्वयं हेलमेट पहनें और अपने परिवार के सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें। दमोह पुलिस की इस पहल के माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि यातायात नियमों का पालन पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए करें।

अंचल में मौत का जाल बना नेशनल हाईवे-30

मंडला, यशभारत। मंडला-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर आए दिन हो रहे भीषण सड़क हादसे अब स्थानीय लोगों के लिए गहरे खौफ और आक्रोश का कारण बनते जा रहे हैं। हाल ही में अंजनिया और मेढ़ाताल के पास हुए जानलेवा हादसे ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इस राजमार्ग पर हादसों और मौतों का सिलसिला कब थमेगा? आम जनता अब प्रशासन और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ह्यादृढ़) से सवाल कर रही है कि क्या वे केवल हादसों की गिनती करते रहेंगे, या धरातल पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए कोई ठोस कदम भी उठाए जाएंगे? मंडला और इसके आसपास का इलाका मुख्य रूप से आदिवासी बहुल है। यहां की ग्रामीण जनता अपनी दैनिक जरूरतों, हाट-बाजार, कृषि उपज बेचने और इलाज के लिए पूरी तरह इसी हाईवे पर निर्भर है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले इस मुख्य मार्ग पर दिन-रात भारी वाहनों और तेज रफ्तार गाड़ियों का भारी दबाव रहता है। भौगोलिक स्थिति, संकरे मोड़, रोशनी के अभाव और सुरक्षा इंतजामों की कमी के चलते यह हाईवे अब 'डेथ ट्रैप' (मौत का जाल) बन चुका है, जहां आए दिन निर्दोष राहगीर अपनी जान गंवा रहे हैं।

1978 की मौत, फर्जी नियुक्ति और पूरी नौकरी खत्म

हाईकोर्ट ने पूछा- किस अधिकार से खाई सरकारी मलाई?

रीवा। अनुकंपा नियुक्ति में फर्जीवाड़ा के मामले में रीवा इस कदर बदनाम हुआ कि अब हाईकोर्ट के न्यायाधीश भी टिप्पणी कर रहे हैं। रीवा में हर विभाग में अनुकंपा नियुक्तियों में भारी फर्जीवाड़ा हुआ है। तत्कालीन डीईओ सुदामा लाल गुप्ता के समय कई अवैध अनुकंपा नियुक्तियां पकड़ाई थी। अब नया मामला फिर से स्कूल शिक्षा विभाग का हाईकोर्ट पहुंचा। कोर्ट में जज ने प्रकरण की सुनाई की तो वह हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति में नियमों का पालन नहीं हुआ। इस मामले में जिसे अनुकंपा नियुक्ति मिली है। उससे पूरी राशि की रिकवरी होनी चाहिए साथ ही जिसने अनुकंपा नियुक्ति दी है। उस पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने शासकीय अधिवक्ता मानसमणि वर्मा के माध्यम से सीएस मप्र शासन को आदेश दिया है कि वह पूरे मामले की 60 दिन में पीएस स्तर के अधिकारी से जांच कराएं और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। हाईकोर्ट जबलपुर में एक याचिका डब्ल्यूपी संख्या 3726/2017लगाई गई। यह याचिका रामरखन शर्मा बनाम मप्र राज्य और अन्य के खिलाफ लगाई गई। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ओम प्रकाश द्विवेदी थे। वहीं उद्यान तिवारी . वरिष्ठ अधिवक्ता और नीरज तिवारी . अधिवक्ता प्रतिवादियों की ओर से उपस्थित हुए। मानस मणि वर्मा प्रतिवादी के लिए सरकारी अधिवक्ता थे। यह याचिका क्यू वारंटो थी। यह वह याचिका होती है जिसमें कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक पद पर अवैध रूप से कब्जा कर लेता है या बिना पात्रता के बैठ जाता है। तब कोर्ट उससे पूछती है कि वह किस अधिकार से इस पद पर है। यह पूरा मामला चुंआ संकुल अंतर्गत परिहारिन टोला स्कूल से रिटायर हुए प्राथमिक शिक्षक रामभक्त पाण्डेय की नियुक्ति से जुड़ा हुआ था। रामभक्त पाण्डेय को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। यह नियुक्ति लक्ष्मी नारायण पाण्डेय के स्थान पर मिली थी। लक्ष्मी नारायण पाण्डेय जिला कोषगार कार्यालय रीवा में यूडीसी के पद पर पदस्थ रहे। इनका निधन 27 फरवरी 1978 को हो गया था। उनके निधन पर रामभक्त पाण्डेय को अनुकंपा नियुक्ति दी गई थी। रामभक्त पाण्डेय शशिकला के पति के भाई थे। यानि सगे दामाद भी नहीं थे। वहीं लक्ष्मी नारायण की पत्नी रामसाखी के अलावा उनके पुत्रों में 40 वर्ष के प्रकाश नारायण पांडे, लगभग 26 वर्ष के उमेश कुमार पांडे और लगभग 30 वर्ष की शशिकला पांडे भी थी। शशिकला पाण्डेय बेटी थी, उनके पति केशव पाण्डेय थे। केशव पाण्डेय के रामभक्तपाण्डेय भाई थे। फिर भी शासन ने अनुकंपा नियुक्ति दे दी थी, जो नियम विरुद्ध थी। इसी को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। लक्ष्मी नारायण पाण्डेय के निधन के बाद रामभक्त पाण्डेय को अनुकंपा नियुक्ति दी गई। इस पर अधिवक्ता उद्यान तिवारी ने तर्क किया कि मप्र सरकार सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार यदि मृतक सरकारी कर्मचारी के परिवार में विधवा की देखभाल करने के लिए कोई वयस्क पुत्र या पुत्री नहीं है और विधवा सरकारी कर्मचारी के रूप में कार्य करने के लिए सक्षम नहीं हैए तो उसे शपथ पत्र में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख करते हुए कि उक्त रिश्तेदार विधवा की देखभाल करेगाए किसी निकट संबंधी को नियुक्ति के लिए मनोनीत करने का अधिकार है। उद्यान तिवारी वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज तिवारी की सहायता से यह प्रस्तुत किए कि प्रतिवादी की नियुक्ति शर्त के अनुसार की गई थी। मानस मणि वर्मा ने कहा कि प्रतिवादी की सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर चुका है। याचिकाकर्ता के वकील ओपी द्विवेदी ने बताया कि कहा कि शशिकला पांडे के पति केशव पांडे हैं और रामभक्त पांडे वास्तव में केशव पांडे के भाई हैं। हलफनामा में यह नहीं कहा गया कि उनके पुत्र और पुत्री मां की सेवा करने के लिए असमर्थ या अयोग्य हैं। उनके बच्चों के रहते भी दामाद के भाई को नियम विरुद्ध अनुकंपा नियुक्ति दी गई। सभी अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में यह न्यायालय ऐसी तकनीकी खामियों को नजरअंदाज कर सकता था। हालांकि ऐसा प्रतीत होता है कि रीवा जिले में एक बड़े पैमाने पर रैकेट चल रहा है, जहां लागू नियमों और विनियमों का उल्लंघन करते हुए इस प्रकार की नियुक्तियां प्राप्त की जा रही हैं। लाभार्थियों और अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने वाले आदेश पारित करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों, साथ ही उन सभी लोगों को भी इस मामले में दोषी ठहराया जाना चाहिए। न्यायाधीश विवेक अग्रवाल ने कहा कि जिन अधिकारियों ने संबंधित फाइलों की जांच की और उन पर हस्ताक्षर किए, वे इस तरह की अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार हैं। राज्य के मुख्य सचिव को न्यायाधीश ने निर्देशित कि वह प्रधान सचिव से कम रैंक के वरिष्ठ अधिकारी के माध्यम से जांच कराएं और इस याचिका के माध्यम से न्यायालय के संज्ञान में आए धोखाधड़ी के मामलों के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें।



'मौत बिक रही सारेआम, प्रशासन फरमा रहा आराम' शराब सेवन से युवक की मौत ग्रामीणों के आक्रोश के आगे झुकी पुलिस

पुरानी संदिग्ध मौतों की भी होगी जांच

सागर, यशभारत । देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम जैतपुर में 33 वर्षीय युवक अंकुश लोधी की शराब सेवन के दौरान हुई मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने जैतपुर तथा डोमा गांव के निवासियों के साथ मिलकर गौरझामर-केसली मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में बेधड़क चल रहे अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने और इसमें लिप्त दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

जहरीली शराब की आशंका, जांच जारी

प्रदर्शन के दौरान मृतक के परिजनों ने आशंका जताई कि युवक की मौत जहरीली शराब के सेवन से हुई है। हालांकि, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जहरीली शराब से मौत की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, पोस्टमार्टम और वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में बाहरी इलाकों से लाकर अवैध शराब बेची जा रही है, जिससे लगातार लोगों का जीवन संकट में पड़ रहा है।



पुरानी मौतों पर भी उठे सवाल

चक्काजाम के दौरान ग्रामीणों ने दो-तीन माह पूर्व शराब सेवन के कारण हुई संदिग्ध मौतों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने सवाल खड़ा किया कि पिछली घटनाओं के दौरान कुछ मामलों में पोस्टमार्टम क्यों नहीं कराया गया? उन्होंने मांग की कि पूर्व में हुई सभी मौतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सच सामने आ सके और अवैध शराब के नेटवर्क को खत्म किया जा सके। एसडीओपी ने दिया जांच और कार्रवाई का भरोसा घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी अरुण उइके पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों तथा ग्रामीणों से संवाद किया।

एसडीओपी ने आश्वासन दिया कि मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी तथा पूर्व की घटनाओं व अन्य शिकायतों को भी जांच के दायरे में लिया जाएगा।

वहीं गौरझामर थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है। भविष्य में भी अवैध बिक्री की सूचना मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध सख्त नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के ठोस आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। प्रशासन के सामने खड़े मुख्य सवाल- क्षेत्र में अवैध शराब का यह नेटवर्क आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है?

बाहर से लाकर शराब बेचने वाले मुख्य माफियाओं तक पुलिस के हाथ कब पहुंचेंगे? युवक की मौत का असली कारण क्या था और क्या पुरानी मौतों का सच सामने आ पाएगा?



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं 435 राजीव वार्ड सुभाष पार्क चौराहा कंदेली नरसिंहपुर से प्रकाशित स्थानीय संपादक विक्रांत पटेल * संपादक अम्बरीष तिवारी * एवं सलाहकार संपादक श्याम कटारे (फोन- 07792-231060) डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार RNI No.MPHIN / 2015/64553 E-mail- narsinghpur@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)